www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

ऐप में पढ़े E-PAPER भारत संवाद

Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

2 ट्रंप का विचित्र रवैया, भारत के लिए कूटनीतिक कौशल दिखाने का समय

दावा- अमेरिका ने अफगानिस्तान विदेश मंत्री की पाकिस्तान यात्रा रोकी 06

वर्ष :17 | अंक :131 | प्रयागराज , सोमवार , 11 अगस्त, 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

हाथरस में ट्यूबवेल पर नहाते समय दो सगे भाइयों की करंट लगने से मौत

हाथरस जिले के सादाबाद थाना क्षेत्र के गढ़ी राधे गांव में ट्यूबवेल पर नहाते समय करंट लगने से दो सगे भाइयों की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।पुलिस के मुताबिक यह घटना शनिवार शाम करीब साढ़े सात बजे उस समय की है जब योगेश (38) और उसका बड़ा भाई हीरेश (45) अपने खेत में ट्यूबवेल पर नहा रहे थे। उसने बताया कि नहाने के बाद योगेश बिजली के तार के संपर्क में आ गया और उसे संकट में देखकर हीरेश मदद के लिए दौड़ा, लेकिन वह भी करंट की चपेट में आ गया।पुलिस ने बताया कि दोनों अचेत हो गए और ग्रामीणों ने उन्हें सादाबाद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) अमित पाठक ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

अवैध संबंधों को लेकर युवक की हत्या, आरोपी दंपति गिरफ्तार

उत्तर प्रदेश के संभल जिले में अवैध संबंधों को लेकर एक युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने रविवार को एक दंपति को गिरफ्तार कर लिया। अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि चंदौसी थाना क्षेत्र के लक्ष्मण गंज स्थित वारिस नगर में रविवार सुबह अनीस (25) नामक युवक की हत्या की सूचना मिली थी। श्रीवास्तक के मुताबिक, मामले की जांच-पड़ताल के दौरान रईस (40) और उसकी पत्नी सितारा (35) पर हत्या की वारदात को अंजाम देने का शक हुआ। उन्होंने बताया कि दंपति को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें दोनों ने अपना गुनाह कुबूल कर लिया। श्रीवास्तव के अनुसार, गिरफ्तार दंपति ने पूछताछ में बताया कि अनीस के अपने पड़ोस में रहने वाले रईस की पत्नी सितारा से नाजायज रिश्ते थे। अनीस शनिवार देर रात करीब एक बजे चोरी-छिपे रईस के घर में घुसा था। इसके बाद रईस और सितारा ने उसे बेरहमी से पीटा। उन्होंने बताया, अनीस देर रात करीब दो बजे खून से लथपथ हालत में अपने घर लौटा। परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।श्रीवास्तव ने बताया कि अनीस के पिता मुस्तकीम का आरोप है कि उसके बेटे ने रईस को करीब सात लाख रुपये उधार दिए थे, जिन्हें वापस मांगने पर उसकी हत्या कर दी गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने घटना के सिलसिले में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, जल्द तीसरे नंबर पर पहुंचेंगे:पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी को दी बड़ी सौगात, तीन वंदे भारत ट्रेन को दिखाई हरी झंडी, येलो मेट्रो लाइन का किया उद्घाटन

सौगात

पीएम मोदी ने कहा कि आज बेंगलुरु मेट्रो येलो लाइन का शुभारंभ हुआ है। मेट्रो फेज-3 आधारशिला भी रखी गई है। साथ ही देश के अलग अलग हिस्सों के लिए तीन नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी भी दिखाई गई है। बेंगलुरु से बेलगावी के बीच वंदे भारत की सेवा शुरू हुई है। इससे बेलगावी के व्यापार और टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा नागपुर से पुणे और श्री माता वैष्णो देवी कटरा से अमृतसर के बीच भी वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू हुई है।

एजेंसी

बेंगलुरु ,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15,610 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली बेंगलुरु मेट्रो फेज-3 परियोजना की आधारशिला रखी।इस परियोजना की कुल लंबाई 44 किलोमीटर से अधिक होगी और इसमें 31 एलिवेटेड स्टेशन होंगे। कर्नाटक की धरती पर कदम रखते ही अपनापन सा महसूस होता है।यहां की संस्कृति, यहां के लोगों का प्यार और कन्नड़ भाषा की मिठास दिल को छू जाती है। बेंगलुरु को हम एक ऐसे शहर के रूप में उभरता देख रहे हैं जो न्यू इंडिया के राइज का सिंबल बन चुका है। एक ऐसा शहर... जिसकी आत्मा में तत्व ज्ञान है और जिसके एक्शन में टेक ज्ञान है। एक ऐसा शहर... जिसने ग्लोबल आईटी मैप पर भारत का परचम लहराया है। हम बेंगलुरु को नए भारत के उदय का एक सच्चा प्रतीक बनते हुए देख रहे हैं। एक ऐसा शहर जिसने भारत को वैश्विक आईटी मानचित्र पर गर्व से स्थापित किया है। बेंगलुरु की उल्लेखनीय सफलता की कहानी के पीछे प्रेरक शक्ति इसके लोगों की असाधारण प्रतिभा और सरलता है। बीते समय में बेंगलुरु के लिए भारत सरकार की ओर हजारों करोड़ रुपए की योजनाएं शुरू की गई हैं। आज इस अभियान को नई गति मिल रही है। आज बेंगलुरु मेट्रो येलो लाइन का शुभारंभ हुआ है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने पहली बार भारत का नया चेहरा देखा': प्रधानमंत्री मोदी

बेंगलुरु: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के पीछे भारतीय प्रौद्योगिकी और मेक इन इंडिया पहल का हाथ है. जिसने कुछही घंटों में पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया. उन्होंने कहा कि दुनिया ने पहली बार ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत का नया चेहरा देखा, जब उसने पाकिस्तान के भीतर आतंकी ठिकानों को नष्ट करने में अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को बेंगलुरु में कई परियोजनाओं का शुभारंभ करने के बाद जनता को संबोधित कर रहे थे. यहां मेट्रो फेज-3 परियोजना के शिलान्यास समारोह में कहा, दुनिया ने पहली बार ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत का नया चेहरा देखा, जहां भारतीय सेना ने पाकिस्तान के भीतरी इलाकों में स्थित आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर उन्हें नष्ट करने और कुछही घंटों में पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर करने की क्षमता का प्रदर्शन किया.

मेट्रो उद्घाटन के साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने विस्तारित बेलगावी-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जो सप्ताह में छह दिन चलेगी और सुबह 5:20 बजे बेलगावी से रवाना होगी तथा दोपहर 1:50 बजे बेंगलुरु पहुंचेगी। वापसी में इसकी यात्रा दोपहर 2:20 बजे शुरू होगी। इस सेवा से बेंगलुरु, तुमकुरु, दावणगेरे, हावेरी, हुबली, धारवाड़ और बेलगावी के बीच संपर्क बढ़ने की उम्मीद है।

मेट्रो फेज-3 आधारशिला भी रखी गई है। साथ ही देश के अलग अलग हिस्सों के लिए तीन नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी भी दिखाई गई है। बेंगलुरु से बेलगावी के बीच वंदे भारत की सेवा शुरू हुई है। इससे बेलगावी के व्यापार और टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा नागपुर से पुणे और श्री माता वैष्णो देवी कटरा से अमृतसर के बीच भी वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू हुई है।

'वोट चोरी' के खिलाफ राहुल गांधी का नया अभियान

राहुल गांधी ने 'वोट चोरी' के खिलाफ नया अभियान शुरू किया है, जिसमें उन्होंने चुनावों में होने वाली कथित गड़बड़ियों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने पारदर्शी डिजिटल मतदाता सूची सार्वजनिक करने की मांग करते हुए एक वेबसाइट और मिस्ड कॉल नंबर लॉन्च कर जनता से समर्थन मांगा है।

एजेंसी

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने चुनाव में होने वाली कथित गड़बड़ियों के खिलाफ एक नई मुहिम शुरू की है, जिसका नाम 'वोट चोरी' है। इसी सिलसिले में उन्होंने आज एक वेबसाइट लॉन्च की और लोगों से इस कैंपेन से जुड़ने की अपील की।सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि 'वोट चोरी' 'एक व्यक्ति, एक वोट' के लोकतांत्रिक सिद्धांत पर सीधा हमला है। उन्होंने जोर देकर कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए एक साफ-सुथरी मतदाता सूची बेहद जरूरी है। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग से पारदर्शिता की मांग करते हुए कहा कि वह डिजिटल मतदाता सूची को सार्वजनिक करे, ताकि जनता और राजनीतिक दल खुद इसका ऑडिट कर सकें।

राहुल गांधी के कैंपेन से कैसे जुड़ें?

इस मुहिम का समर्थन करने के लिए राहुल गांधी ने दो तरीके बताए हैं। लोग http:// votechori. in/ ecdemand वेबसाइट पर जा सकते हैं, या फिर 9650003420 पर मिस्ड कॉल दे सकते हैं। उन्होंने इसे 'लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई' बताया। अमित मालवीय का राहुल पर हमला मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा, 'हमें अभी भी नहीं पता कि राहुल गांधी कब घोषणापत्र/शपथ के तहत उन अयोग्य मतदाताओं के नाम प्रस्तुत करेंगे जिनके बारे में उनका दावा है कि वे मतदाता सूची में हैं।' उन्होंने कहा कि यह मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के नियम 20(3)(बी) के तहत अनिवार्य है।

वेबसाइट लॉन्च कर जनता से मांगा समर्थन

राहुल गांधी की 'वोट चोरी' वेबसाइट पर संग्राम, बीजेपी बोली- 'नासमझ' हैं कांग्रेस सांसद

राहुल गांधी की 'वोट चोरी' वेबसाइट पर भाजपा ने उन्हें 'नासमझ' बताया, वहीं अमित मालवीय ने तकनीकी अज्ञानता के आरोप लगाए। चुनाव आयोग ने भी उनके 'भ्रामक' दावों पर सख्त प्रतिक्रिया देते हुए राहुल गांधी से या तो आरोपों पर शपथ पत्र पर हस्ताक्षर करने या देश से माफी मांगने को कहा है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के 'वोट चोरी' अभियान और वेबसाइट लॉन्च करने पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। बीजेपी प्रवक्ता अमित मालवीय ने राहुल गांधी को 'नासमझ' बताते हुए उनके इस कदम पर निशाना साधा। मालवीय ने यह भी आरोप लगाया कि विपक्षी दल 'तकनीकी डायनासोर' हैं। उन्होंने राहुल गांधी के इस दावे पर भी सवाल उठाया कि उन्हें एक विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची का विश्लेषण करने में 30 दिन लगे

कांग्रेस का केंद्र से सवाल.....

सरकार संसद में निर्वाचन आयोग के कामकाज पर चर्चा के लिए तैयार क्यों नहीं

संसद ने वर्षों से कई बार निर्वाचन आयोग के आचरण और चुनावी सुधारों पर विचार-विमर्श किया है। आइए, इतिहास को देखें। राज्यसभा में 1957 से ही निर्वाचन आयोग और चुनावी सुधारों पर चर्चा होती रही है, जिसमें शामिल हैं: चुनाव नियमों को निरस्त करना, चुनावों का पुनर्निर्धारण और स्थगन, 1970, 1981, 1986, 1991 और 2015 में चुनाव सुधारों पर बहस, घनबल के उपयोग और कानूनों में संशोधन की तत्काल जरूरत।

एजेंसी

नई दिल्ली। शनिवार को कांग्रेस ने सरकार से सवाल किया कि वह निर्वाचन आयोग के कार्यों पर संसद में बहस के लिए क्यों तैयार नहीं है, जबकि पहले की सरकारों ने दोनों सदनों में इस विषय पर चर्चा की अनुमति दी थी। कांग्रेस नेता मणिकम टैगोर ने कई पुरानी घटनाओं का जिक्र करते हुए बताया कि निर्वाचन आयोग के सुधारों और चुनावों में धन के दुरुपयोग पर पहले भी बहस हो चुकी है। टैगोर ने सवाल उठाया, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू निर्वाचन आयोग के कामकाज पर संसदीय चर्चा की अनुमति देने से क्यों हिचक रहे हैं? कांग्रेस नेता ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, लोकसभा में सांसदों ने बार-बार ये मुद्दे उठाए हैं: चुनाव सुधार (1981, 1983, 1986, 1990, 1995, 2005), बिहार और त्रिपुरा में चुनाव स्थगन, फोटो पहचान पत्र जारी करना, धांधली की जांच और विदेशी धन के आरोप। टैगोर ने बताया कि 1993 में चुनाव स्थगित करने जैसे मुख्य निर्वाचन आयुक्त के महत्वपूर्ण फैसलों पर भी दोनों सदनों में खुलकर चर्चा हुई थी।

'कुछ लोग खुद को दुनिया का बॉस समझते हैं'.....

टैरिफ वॉर के बीच राजनाथ सिंह का ट्रंप पर तगड़ा प्रहार

एजेंसी

रायसेन। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने टैरिफ वॉर के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर तगड़ा प्रहार करते हुए रविवार को कहा कि कुछ लोग हैं, जिनको भारत का विकास पसंद नहीं आ रहा है। वे खुद को ही दुनिया का बॉस समझ बैठे हैं। उनको समझ नहीं आ रहा है कि भारत कैसे इतनी तेजी से आगे बढ़ रहा है। राजनाथ ने मध्य प्रदेश में रायसेन जिले के उमरिया गांव में भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) की रेल कोच इकाई की आधारशिला रखते हुए ये बातें कहीं। यह ग्रीनफील्ड रेल मैन्युफैक्चरिंग सुविधा देश में आधुनिक रोलिंग स्टॉक (वे सभी वाहन, जो रेलवे ट्रैक पर चलते हैं) के निर्माण के लिए स्थापित की जाएगी। इस परियोजना का नाम बीईएमएल रेल हब फॉर मैन्युफैक्चरिंग रखा गया है और इसकी प्रारंभिक उत्पादन क्षमता 125 से 200 कोच प्रतिवर्ष होगी, जिसे पांच वर्षों में बढ़ाकर 1,100 कोच प्रतिवर्ष किए जाने का लक्ष्य रखा गया है।

रक्षा मंत्री ने कहा, जहां तक रक्षा क्षेत्र की बात है, आपको यह जानकर खुशी होगी कि अब हम 24 हजार करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की रक्षा वस्तुओं का निर्यात कर रहे हैं। यह भारत की ताकत है, यह नए भारत का नया रक्षा क्षेत्र है और निर्यात निरंतर बढ़ रहा है।

निजी स्कूलों में फीस के विनियमन से संबंधित विधेयक से पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी: गुप्ता

दिल्ली सरकार राष्ट्रीय राजधानी में प्रत्येक बच्चे के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने को लेकर प्रतिबद्ध है और निजी स्कूलों में फीस को विनियमित करने के लिए हाल में पारित विधेयक से संस्थान अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनेंगे।

एजेंसी

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कहा कि दिल्ली सरकार राष्ट्रीय राजधानी में प्रत्येक बच्चे के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने को लेकर प्रतिबद्ध है और निजी स्कूलों में फीस को विनियमित करने के लिए हाल में पारित विधेयक से संस्थान अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनेंगे। गुप्ता ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि शुक्रवार को दिल्ली विधानसभा में पारित किए गए दिल्ली स्कूल शिक्षा (शुल्क निर्धारण एवं विनियमन में पारदर्शिता) विधेयक, 2025 का उद्देश्य मनमानी फीस वृद्धि को रोकना और निजी स्कूलों को वंचित पृष्ठभूमि के बच्चों समेत समाज के सभी वर्गों के बच्चों के लिए सुलभ बनाना है।

दुनिया झुकती है,झुकाने वाला चाहिए :गडकरी

हम कई समस्याओं का सामना कर रहे; विश्वगुरु बनना है तो इम्पोर्ट कम और एक्सपोर्ट बढ़ाना होगा

गडकरी ने ये भी कहा- सबसे बड़ी राष्ट्रभक्ति यह हो सकती है कि हम इम्पोर्ट को कम करें और एक्सपोर्ट को बढ़ाएं। विश्वगुरु बनने के लिए यह जरूरी है। उन्होंने बताया कि दुनिया की सभी समस्याओं का उपाय साइंस, टेक्नोलॉजी और नॉलेज है। अगर हम नॉलेज और पावर का इस्तेमाल करेंगे तो दुनिया के सामने झुकना नहीं पड़ेगा।

एजेंसी

नागपुर ,केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि देश में अभी जिन विषयों पर चर्चा हो रही, मैं उनका नाम नहीं लेना चाहता। विश्व में हम अनेक तरह की समस्याओं का सामना कर रहे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि दुनिया झुकती है, बस झुकाने वाला चाहिए। गडकरी शनिवार को नागपुर में स्थित विश्वेश्वरैया नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के कार्यक्रम में शामिल हुए थे। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने ये बातें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के भारत पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने के ऐलान के 3 दिन बाद कही हैं। ट्रम्प का 25% अतिरिक्त टैरिफ 27 अगस्त से लागू होगा। अब भारत पर कुल 50% टैरिफ लगेगा।

गडकरी बोले- कुछ देश दुनिया में दादागिरी कर रहे

गडकरी ने कहा, 'आर्थिक रूप से संपन्न होने की वजह से दुनिया में कुछ देश दादागिरी कर रहे हैं। उनके पास टेक्नोलॉजी है। अगर हमारे पास उनसे अच्छी टेक्नोलॉजी और रिसोर्स आएंगे तो हमें दादागिरी नहीं करनी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 के बाद कर्नाटक के लिए रेल बजट नौ गुणा बढ़ा दिया: अश्विनी वैष्णव

वैष्णव ने कहा, ग्यारह साल पहले, कोई सोच भी नहीं सकता था कि भारत इलेक्ट्रॉनिक्स का निर्यात करेगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 की मजबूत नींव रखने के प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों से कर्नाटक समेत पूरे देश को लाभ हुआ है।

एजेंसी

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को कहा कि कर्नाटक का रेल बजट 2014 से पहले के 835 करोड़ रुपये से बढ़कर नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद 7,500 करोड़ रुपये हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा बेंगलुरु मेट्रो की येलो लाइन को हरी झंडी दिखाये जाने के बाद वैष्णव ने अपने संबोधन में कहा, कर्नाटक जैसे महत्वपूर्ण राज्य को 2014 से पहले केवल 835 करोड़ रुपये मिल रहे थे। मोदी की बदौलत अब उसे 7,500 करोड़ रुपये मिल रहे हैं। साथ ही, कर्नाटक में 54,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं चल रही हैं। हम अमृत भारत योजना के तहत राज्य में 61 स्टेशनों का पुनर्विकास कर रहे हैं।

विवाद | कल्याण बनर्जी ने महुआ मोइत्रा को बताया 'निम्न स्तर' का

टीएमसी नेताओं के बीच नहीं थम रहा विवाद

एजेंसी

नयी दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कल्याण बनर्जी ने एक बार फिर पार्टी की सहयोगी महुआ मोइत्रा पर तीखा हमला बोला है। बनर्जी ने इस बार मोइत्रा को 'निम्न स्तर' का बताया है। दोनों नेताओं के बीच लंबे समय से चल रहा विवाद अब निजी हमलों में बदल गया है। यह विवाद तब और बढ गया जब बनर्जी ने मोइत्रा की शादी पर टिप्पणी की, जिसके जवाब में महुआ ने उन्हें 'सुअर' कहा था। पत्रकारों से बात करते हुए कल्याण बनर्जी ने कहा कि महुआ मोइत्रा के बारे में बात करना 'समय और ऊर्जा की बबार्दी' है। उन्होंने कहा, 'वह महिला मेरे विषय से बिल्कुल भी संबंधित नहीं हैं और वह बहुत ही निम्न स्तर की हैं। उनके बारे में बात करने का कोई मतलब नहीं है।' बनर्जी ने यह भी स्वीकार किया कि उन्हें मोइत्रा पर गुस्सा आया था और उन्होंने दीदी (ममता बनर्जी) से भी कुछ बातें कही थीं, जिसका उन्हें अब पछतावा है। श्रीरामपुर के सांसद ने बताया कि एक जूनियर वकील के मैसेज ने इस मामले पर उनकी सोच को बदल दिया है। उन्होंने कहा, 'एक वकील के टेक्स्ट मैसेज ने इस मामले पर मेरी धारणा बदल दी है। वह मेरे ध्यान के लायक नहीं हैं। मैंने उन पर ध्यान देकर गलती की।' दोनों का विवाद तब गहराया जब मोइत्रा ने एक पॉडकास्ट में बनर्जी को 'सुअर' कहा था। इसके बाद, कल्याण बनर्जी ने लोकसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक पद से इस्तीफा दे दिया। उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया और पार्टी ने काकोली घोष दस्तीदार को नया मुख्य सचेतक और शताब्दी रॉय को सदन में पार्टी का नया उपनेता नियुक्त किया।

टीएमसी में कलह बढ़ती जा रही है, जहाँ कल्याण बनर्जी ने महुआ मोइत्रा को 'निम्न स्तर' का बताया है। यह दोनों नेताओं के बीच लंबे समय से चले आ रहे विवाद का नवीनतम अध्याय है, जिसकी शुरूआत बनर्जी की शादी पर टिप्पणी और मोइत्रा के उन्हें 'सुअर' कहने से हुई थी। इस व्यक्तिगत हमले के बाद बनर्जी ने पार्टी के मुख्य सचेतक पद से इस्तीफा भी दे दिया था।

महुआ मोइत्रा ने इंडिया टुडे के साथ एक इंटरव्यू में पिनाकी मिश्रा के साथ अपनी शादी पर बनर्जी की टिप्पणी का जवाब देते हुए कहा था, 'आप सुअर से कुश्ती नहीं लडते। क्योंकि सुअर को यह पसंद है और आप गंदे हो जाते हैं।' उन्होंने आगे कहा कि भारतीय संसद में हर पार्टी में 'घोर स्त्री-द्वेषी, यौन रूप से कुंठित, भ्रष्ट पुरुष' मौजूद हैं। महुआ मोइत्रा की टिप्पणियों के बाद कल्याण बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक लंबी पोस्ट लिखी। उन्होंने कहा कि मोइत्रा द्वारा एक साथी सांसद की तुलना 'सुअर' से करना 'दुर्भाग्यपूर्ण' है और यह नागरिक संवाद के बुनियादी मानदंडों की अनदेखी है। उन्होंने आगे लिखा, 'जो लोग सोचते हैं कि गाली-गलौज से सार की जगह ली जा सकती है, उन्हें अपनी राजनीति पर गौर करना चाहिए और यह उनके खोखलेपन को उजागर करती है।'

बिहार में डबल वोटर आईडी पर बखेड़ा, ईसी के नोटिस के बाद तेजस्वी यादव ने डिप्टी सीएम को लपेटा

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा पर दो अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में दो मतदाता पहचान पत्र रखने का आरोप लगाया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, तेजस्वी यादव ने सिन्हा पर आरोप लगाते हुए इसके सबूत भी पेश किए। यह आरोप तब सामने आया है जब हाल ही में निर्वाचन आयोग ने खुद तेजस्वी यादव को दो मतदाता पहचान पत्र रखने के आरोप में नोटिस भेजा था। तेजस्वी यादव ने दावा किया कि उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के पास दो मतदाता पहचान पत्र हैं, जिनमें से एक में उनकी उम्र 57 साल और दूसरे में 60 साल बताई गई है। उन्होंने कहा कि यह जानकारी चुनाव आयोग की वेबसाइट और नई मतदाता सूची में भी उपलब्ध है, जिसे सभी दलों के जिला अध्यक्षों को दिया गया है। तेजस्वी यादव ने कहा, 'केवल दो ही बातें हो सकती हैं: या तो चुनाव आयोग की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (रकफ) की पूरी प्रक्रिया ही फर्जी है या फिर बिहार के उपमुख्यमंत्री फर्जी हैं।' तेजस्वी यादव ने पटना और लखीसराय जिला प्रशासन के साथ-साथ चुनाव आयोग से सवाल किया है कि क्या वे विजय सिन्हा को नोटिस भेजेंगे और उनके खिलाफ कोई कार्रवाई करेंगे।

तेजस्वी यादव ने बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा पर दो मतदाता पहचान पत्र रखने का गंभीर आरोप लगाकर नया विवाद खड़ा कर दिया है। यादव ने चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध सबूतों का हवाला देते हुए सवाल किया कि क्या आयोग सिन्हा पर भी कार्रवाई करेगा, जैसा कि उन्हें खुद नोटिस भेजा गया था। उन्होंने उपमुख्यमंत्री के इस्तीफे और एफआईआर दर्ज करने की मांग की है, साथ ही चुनाव आयोग की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए हैं।

सम्पादकीय

आतंकरोधी अभियान, आतंकियों और उनके समर्थकों की कमर तोड़ना बाकी

कश्मीर के कुलगाम के घने जंगलों में आतंकियों के खिलाफ सेना एवं सुरक्षाबलों के अभियान का नौवें दिन भी जारी रहना यह बताता है कि आतंकवादियों और उनके समर्थकों की कमर तोड़ना अभी भी शेष है। यह काम प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए, क्योंकि यह सामान्य बात नहीं कि कश्मीर में आतंकियों के खिलाफ नौ दिन तक अभियान चलाना पड़े और फिर भी उनका अंत न हो। इस पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि कश्मीर के इस सबसे लंबे आतंकरोधी अभियान में हमारे दो सैनिकों को अपना सर्वोच्च बलिदान देना पड़ा। राष्ट्र इनका सदैव ऋणी रहेगा। ऐसे सर्वोच्च बलिदान का स्मरण रखने के साथ ही यह भी सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि आतंकी किसी भी तरह हमारे जवानों को क्षति न पहुंचाने पाएं। कुलगाम के जंगलों में आतंकियों के खिलाफ जिस दिन अभियान शुरू किया गया, उसी दिन एक आतंकी को मार गिराया गया था। शेष बचे आतंकी इतने दिनों तक सेना एवं सुरक्षाबलों का सामना करने में चाहे जिन कारणों से सफल रहे हों, उनका समूल नाश किया जाना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। इसी के साथ यदि यह साबित होता है कि कुलगाम के दुर्गम इलाके में छिपे आतंकी पाकिस्तान से आए थे अथवा इन आतंकियों के पीछे पाकिस्तान का सहयोग और समर्थन है तो सरकार एवं सेना को यह बताने-स्मरण कराने की आवश्यकता नहीं कि आपरेशन सिंदूर स्थगित हुआ है, खत्म नहीं। पाकिस्तान को नए सिरे से और कठोर सबक सिखाने की तैयारी की जानी चाहिए। इसके अतिरिक्त भारत को विश्व समुदाय को यह भी बताना चाहिए कि आपरेशन सिंदूर के जरिये पाकिस्तान के खिलाफ अब तक की कठोरतम कार्रवाई के बाद भी उसके होश ठिकाने नहीं आए हैं। पाकिस्तान की हरकतों के लिए परोक्ष रूप से ही सही, विश्व के प्रमुख राष्ट्रों और विशेष रूप से अमेरिका को कठघरे में खड़ा करने में संकोच नहीं किया जाना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को तो खास तौर पर यह याद दिलाना चाहिए कि वह जिस पाकिस्तान की तारीफ करते हुए नहीं थक रहे हैं, वह आतंक का गढ़ और भारत के लिए खतरा बना हुआ है। हो सकता है कि ट्रंप जिहादी सोच वाले और पहलगाम आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर को आगे भी अमेरिका बुलाकर भोज कराना पसंद करें, लेकिन भारत को यह तो कहना ही चाहिए कि उसने यह तय कर लिया है कि किसी भी पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी हमले को युद्ध की तरह देखेगा और प्रतिकार करेगा। यह सही समय है कि भारत सरकार कश्मीर में आतंकियों के खुले-छिपे समर्थकों के खिलाफ भी और अधिक सख्त हो।

आज का विचार

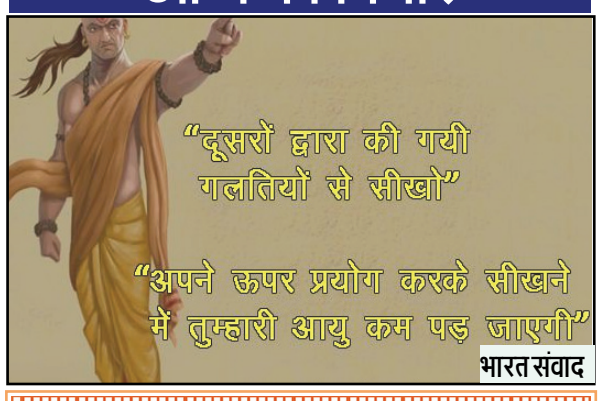

ट्रंप का विचित्र रवैया, भारत के लिए कूटनीतिक कौशल दिखाने का समय

ट्रंप के भारत विरोधी रवैये ने हमारे समक्ष एक अवसर खड़ा कर दिया है। आगे चलकर ट्रंप के टैरिफ युद्ध की चपेट में कुछ और देश भी आ सकते हैं। जो भी हो भारत के लिए यही उचित है कि वह यह स्पष्ट करता रहे कि वह उनके आगे नहीं झुकेगा। ट्रंप चाहते हैं कि भारत अमेरिका के कृषि और डेरी उत्पादों के लिए अपने बाजार खोल दे।

पा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विश्व व्यापार संगठन यानी डब्ल्यूटीओ और अपने मित्र देशों के नेताओं तथा अर्थशास्त्रियों के तर्कों को दरकिनार कर पहले भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया और फिर रूस से तेल खरीदने को तूल देकर और इतने ही प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी। अब उन्होंने भारत के साथ होने वाली व्यापार वार्ता से किनारा करने की भी बात कह दी। इस वार्ता के लिए एक अमेरिकी दल इसी माह के अंत में दिल्ली आने वाला था। ट्रंप की चिढ़ का मूल कारण भारत-पाकिस्तान के बीच तथाकथित संघर्ष विराम कराने के उनके दावे पर भारत का सहमत न होना है। वे अपने इस फर्जी दावे को कई बार दोहरा चुके हैं कि आपरेशन सिंदूर इसलिए थमा, क्योंकि उन्होंने दखल दिया था और दोनों देशों को एक बड़े युद्ध से बचाया था। भारत उनके दावे को सही नहीं मान रहा। प्रधानमंत्री मोदी ने संसद में साफ कर दिया कि आपरेशन सिंदूर रोकने के बारे में विश्व के किसी भी नेता ने कुछ नहीं कहा। इसके बाद ट्रंप और अधिक बौखला गए और अब वे भारत के खिलाफ न केवल टैरिफ बढ़ाते जा रहे हैं, बल्कि वर्षों की मेहनत से बनाए गए दोनों देशों के संबंधों को नष्ट करने का भी काम कर रहे हैं। उनके दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद जब प्रधानमंत्री मोदी वाशिंगटन गए थे तो दोनों नेताओं ने यह तय किया था कि एक अंतरिम व्यापार समझौता शीघ्र कर लिया जाएगा,

लेकिन अब भारत से चिढ़े हुए ट्रंप पाकिस्तान की तारीफ कर रहे हैं। उन्होंने भारत को चिढ़ाने के मकसद से ही पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर को अमेरिका बुलाकर भोज कराया और उनकी तारीफ भी की। इसके बदले में मुनीर ने ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार देने की जरूरत जताई। पता नहीं उन्हें नोबेल पुरस्कार मिलेगा या नहीं, लेकिन यह साफ है कि वे यह पुरस्कार पाने के लिए कुछ ज्यादा ही बेचैन हैं। इसका एक प्रमाण यह है कि वे विभिन्न देशों के छोटे-बड़े टकराव को रोकने के लिए मध्यस्थता करते रहते हैं। वे अपने को शांति का मसीहा साबित करने पर तुले हैं, लेकिन सब जानते हैं कि रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने में नाकाम हैं। ट्रंप अपनी खीझ निकालने के लिए यह कह रहे हैं कि भारत रूस से तेल खरीद कर यूक्रेन युद्ध में रूसी राष्ट्रपति पुतिन की मदद कर रहा है। ट्रंप भारत को टैरिफ किंग बताकर अपनी शर्तों के हिसाब से व्यापार समझौता करना चाहते हैं और दबाव बनाने के लिए रूस से तेल खरीद को तूल देने में लगे हुए हैं। उन्हें यह पता होना चाहिए कि रूस भारत को तेल बेचे बगैर यूक्रेन के खिलाफ युद्ध जारी रख सकता है, क्योंकि वह चीन के साथ अन्य देशों को भी तेल बेच रहा है और यह किसी से छिपा नहीं कि ट्रंप का चीन पर कोई जोर नहीं चल पा रहा है। सच तो यह है कि जो ट्रंप भारत पर रूस से तेल खरीदने का आरोप लगा रहे हैं, वे यह नहीं देखना चाहते कि खुद अमेरिका उससे यूरेनियम और उर्वरक खरीद रहा है। इसके अतिरिक्त तथ्य यह भी है कि यूरोपीय देश रूस से गैस खरीद रहे हैं। इस पर आश्चर्य नहीं कि ट्रंप के दोहरेपन को दुनिया के कई जाने-माने लोगों के साथ-साथ खुद उनके देश के लोग बेनकाब कर रहे हैं। ट्रंप की दोहरी नीतियों और मनमाने फैसलों से पूरा विश्व परेशान है। अब तो विश्व के प्रमुख देश इस नतीजे पर पहुंच रहे हैं कि जैसे-तैसे ट्रंप के शेष कार्यकाल को झेलना पड़ेगा। अभी ट्रंप ने फार्मा और आइटी कंपनियों को टैरिफ वार से मुक्त कर रखा है, लेकिन भारत को यह मानकर नहीं चलना चाहिए कि उनकी निगाहें इन कंपनियों पर टेढ़ी नहीं होंगी। मनमानापन दिखा रहे ट्रंप कुछ भी कर सकते हैं। अब तो यह भी स्पष्ट हो रहा है कि वे भारत की आर्थिक एवं सैन्य शक्ति बढ़ती हुई नहीं देखना चाहते और इसीलिए उस पाकिस्तान को पुचकार रहे हैं, जो अमेरिका को कई बार धोखा दे चुका है। ट्रंप के विचित्र रवैये को देखते हुए भारत के लिए आवश्यक है कि वह अपने कूटनीतिक कौशल के जरिये उनसे पार पाने की और कारगर रणनीति बनाए। अच्छा होता कि भारत दूसरी बार राष्ट्रपति बने ट्रंप के बदले रवैये को देखते हुए कूटनीतिक चतुराई दिखाता और उनके अहं को तुष्ट करने के बारे में सोचता। तब शायद ट्रंप इतना गर्जन-तर्जन नहीं कर रहे होते और अमेरिका से अंतरिम व्यापार समझौता भी हो गया होता। इस पर विचार होना चाहिए कि क्या ट्रंप के मामले में आवश्यक कूटनीतिक चतुराई नहीं दिखाई जा सकी? अब तो कूटनीतिक कौशल पर ही ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इसके साथ ही भारत को अपने उद्योगों की उत्पादकता और गुणवत्ता बढ़ाने पर भी जोर देना होगा। ट्रंप के भारत विरोधी रवैये ने हमारे समक्ष एक अवसर खड़ा कर दिया है। आगे चलकर ट्रंप के टैरिफ युद्ध की चपेट में कुछ और देश भी आ सकते हैं। जो भी हो, भारत के लिए यही उचित है कि वह यह स्पष्ट करता रहे कि वह उनके आगे नहीं झुकेगा। ट्रंप चाहते हैं कि भारत अमेरिका के कृषि और डेरी उत्पादों के लिए अपने बाजार खोल दे। इसके लिए मोदी सरकार बिल्कुल भी तैयार नहीं। पिछले दिनों प्रधानमंत्री मोदी ने कहा भी कि भारत अपने किसानों, मछुआरों और डेरी उत्पादकों के हितों से कभी समझौता नहीं करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यदि इन वर्गों के हितों की रक्षा के लिए उन्हें व्यक्तिगत रूप से कोई कीमत चुकानी पड़ी, तो वे इसके लिए तैयार हैं। यह साफ नहीं कि व्यक्तिगत नुकसान से उनका आशय क्या है, लेकिन इसकी अनदेखी न की जाए कि अमेरिका दूसरे देशों के चुनावों में दखल देता रहा है। अमेरिका से सावधान रहने के साथ भारत को अपने किसानों के हितों की रक्षा करनी होगी और इस पर भी ध्यान देना होगा कि भारतीय कृषि को आत्मनिर्भर कैसे बनाया जाए? इस मामले में सबसे बड़ी विडंबना कुछ किसान नेताओं का किसान हित विरोधी रवैया है। वे जानबूझकर कृषि क्षेत्र के आधुनिकीकरण में रोड़ा अटका रहे हैं।

राशिफल

मेष राशि : कार्यक्षेत्र में आप किसी बात को लेकर चिंतित रह सकते हैं। लेकिन वह व्यर्थ हो सकती है। अगर आपका पैसा या कोई काम बीच में अटका था तो अब सारी अड़चनें दूर हो सकती हैं। लेकिन आपको किसी पर भी भरोसा करने या वादा करने से बचना होगा। अन्यथा आपका कोई फायदा उठा सकता है। ऐसे में सावधानी से कोई भी काम करना आपके लिए बेहतर रहेगा।

वृषभ राशि : व्यापार के मामले में आपके ऊपर कुछ ज्यादा जिम्मेदारियां आ सकती हैं। वहीं, नौकरी करने वालों पर भी किसी नए काम की जिम्मेदारी आ सकती है। ऐसे में आप पूरा दिन व्यस्त रहेंगे। घर-परिवार से जुड़े भी कुछ काम आपके लिए बढ़ सकते हैं। लेकिन किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह आपके काम आ सकती है।

मिथुन राशि: कार्यक्षेत्र में आपको कोई उत्तरदायित्व वाला कार्य करना पड़ सकता है। ऐसे में सोच-समझकर कोई भी फैसला लें और जल्दबाजी से बचें। किसी यात्रा के दौरान या कहीं जाते समय आपकी मुलाकात किसी प्रियजन से हो सकती है, जो आपकी मदद भी कर सकता है।

कर्क राशि : आपको कार्यक्षेत्र में कोई भी काम जरूरत से ज्यादा उत्साह में आकर करने से बचना होगा। ऐसा करने से कोई बड़ी गलती होने की संभावना है। जल्दबाजी में या बिना सोचे-समझे फैसले लेने से आपके काम बिगड़ सकते हैं। आपको कुछ फैसले दूसरों के बारे में भी सोचकर लेने होंगे। परिवार के मामले में दिन सामान्य रहेगा।

सिंह राशि: कार्यस्थल पर आपको अपने आसपास हर काम पर कड़ी नजर रखनी होगी। लापरवाही करने से कोई महत्वपूर्ण काम गलत हो सकता है। ऐसे में चारों तरफ निगरानी रखना जरूरी होगा। बिजनेस में कोई विरोधी आपके खिलाफ रणनीति बना सकता है।

कन्या राशि: कन्या राशि करियर राशिफल : कार्यक्षेत्र में बदलाव से होगा लाभकार्यक्षेत्र में आपको कुछ बदलाव करने पड़ सकते हैं। ऐसा करने से लाभ कमाने के अवसर प्राप्त होंगे और सहकर्मियों का सहयोग भी मिल सकता है।

तुला राशि: अगर आप कामकाज को लेकर किसी उलझन में फंसे हुए हैं, तो उसके बारे में सोच-समझकर सही निर्णय लेना जरूरी होगा। इसे लेकर आप किसी अनुभवी व्यक्ति या मित्रों की सलाह भी ले सकते हैं। लेकिन जल्दबाजी में कोई भी फैसला लेने से बचें।

वृश्चिक राशि : जो लोग किसी नई नौकरी की तलाश कर रहे हैं या अपना नया बिजनेस शुरू करना चाहते हैं, उन्हें किसी का सहयोग मिलने से लाभ मिल सकता है। अगर आप आसपास के किसी व्यक्ति की मदद लेते हैं, तो इससे मुश्किल आसान हो सकती है। व्यापार के मामले में आपको अपने जरूरी कार्यों को समय पर पूरा करना होगा, तभी लाभ कमाने के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु राशि : कार्यक्षेत्र में आपको अपने जरूरी कार्यों को पूरा करने के लिए मेहनत करनी होगा। धीमी गति से काम करने से आपके महत्वपूर्ण कार्य देरी से हो सकते हैं, जिससे नुकसान की संभावना है। कार्यस्थल पर पीछे रहने से आपका सुनहरा अवसर कोई प्राप्त कर सकता है।

मकर राशि : अगर कार्यक्षेत्र में कामकाज को लेकर आपने कोई योजना बनाई थी, तो उसे अब पूरा करना पड़ सकता है। व्यापार के मामले में आपको महत्वपूर्ण कार्यों को लंबा खींचने से बचना होगा, अन्यथा मुसीबत और खर्च दोनों बढ़ सकते हैं।

कुंभ राशि : लंबे समय बाद अब आपके कामकाज करने के तरीके में बदलाव आ सकता है, जिससे कार्यक्षेत्र में कई परिवर्तन देखने को मिलेंगे। अगर आपको कोई नया पद या जिम्मेदारी मिल रही है

मीन राशि: कामकाज के सिलसिले में आपको किसी यात्रा या कार्यक्रम में जाना पड़ सकता है। ऐसे में आपका साधारण तरीके से जाना बेहतर रहेगा।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

नाराज प्रकृति की नाराजगी से भयंकर सैलाब- प्रकृति की मानवीय कृतिय के लापरवाही की चेतावनी तो नहीं?

प्रकृति ने मानव को जीवन जीने के लिए आवश्यक सभी संसाधन दिए-मानव ने अपने स्वार्थवश इन संसाधनों का दोहन किया?

प्रकृति और मानव का संबंध सदियों पुराना है। जहां एक ओर प्रकृति ने मानव को जीवन जीने के लिए आवश्यक सभी संसाधन-जल, वायु, मृदा, खनिज, वन, जीव-जंतु आदि- प्रदान किए हैं, मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया, महाराष्ट्र यह मानता हूं कि मानव ने अपने स्वार्थवश इन संसाधनों का दोहन किया। आज जब पृथ्वी जलवायु परिवर्तन, ग्लेशियरों के पिघलने, असमय बाढ़, सूखा, तूफान, भूकंप, भूस्खलन जैसी तमाम प्राकृतिक विपदाओं से जूझ रही है, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह केवल प्राकृतिक चक्र है या इसके पीछे कहीं न कहीं मानवीय हस्तक्षेप की भूमिका भी है? हम इसी प्रश्न की पड़ताल करेंगे और तथ्यों के आधार पर यह सिद्ध करेंगे कि धराली व किन्नौर में आपदा से तबाही- क्या यह आपदाएं प्राकृतिक चक्र है या इसके पीछे कहीं न कहीं मानवीय हस्तक्षेप की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता?

साथियों बात अगर हम, भारत के हिमालयी क्षेत्र, विशेषकर उत्तराखंड का धराली गांव और हिमाचल प्रदेश का किन्नौर, हाल ही में भीषण प्राकृतिक तबाही के साक्षी बने हैं, की करें तो बादल फटने, भूस्खलन, अचानक आई बाढ़, और गांवों का अस्तित्व मिटा देने वाली घटनाओं ने न केवल जन-धन का भारीनुकसान किया, बल्कि एक बड़ा सवाल भी खड़ा किया-क्या ये आपदाएं केवल प्रकृति की आपूर्ति थीं या मानवीय लालच, अंधाधुंध निर्माण, खनन और जलवायु परिवर्तन जैसे कारकों का नतीजा? इस लेख में हम धराली और किन्नौर की घटनाओं का विस्तारपूर्वक विश्लेषण करेंगे, और यह समझने की कोशिश करेंगे कि कैसे प्राकृतिक संसाधनों का दोहन, असंवेदनशील विकास, और पर्यावरणीय चेतावनियों की अनदेखी ने इन शांत पर्वतीय क्षेत्रों को विनाश के मुहाने पर ला खड़ा किया। (1) बिना पर्यावरणीय मूल्यांकन के सड़कों और सुरंगों का निर्माण हो रहा है। (2) पहाड़ों को डायनामाइट से उड़ाकर हाईवे बनाए जा रहे हैं। (3) जलविद्युत परियोजनाएं नदियों के प्रवाह को रोककर क्षेत्रीय इकोसिस्टम को ध्वस्त कर रही हैं। (4) पेड़ कट रहे हैं, और कंक्रीट के जंगल उगाए जा रहे बने हैं। बादल फटने, भूस्खलन, अचानक आई बाढ़, और गांवों का अस्तित्व मिटा देने वाली घटनाओं ने न केवल जन-धन का भारी नुकसान किया, बल्कि एक बड़ा सवाल भी खड़ा किया-क्या ये आपदाएं केवल प्रकृति की आपूर्ति थीं या मानवीय लालच, अंधाधुंध निर्माण, खनन और जलवायु परिवर्तन जैसे कारकों का नतीजा? भारत के हिमालयी क्षेत्र, विशेषकर उत्तराखंड का धराली गांव और हिमाचल प्रदेश का किन्नौर, हाल ही में भीषण प्राकृतिक तबाही के साक्षी बने हैं। बादल फटने, भूस्खलन, अचानक आई बाढ़, और गांवों का अस्तित्व मिटा देने वाली घटनाओं ने न केवल जन-धन का भारी नुकसान किया, बल्कि एक बड़ा सवाल भी खड़ा किया-क्या ये आपदाएं केवल प्रकृति की आपूर्ति थीं या मानवीय हस्तक्षेप की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता?

हैं इनका परिणामः- (1) जमीन की पकड़ कमजोर हो जाती है। (2) पानी का स्तर गिरता है। (3) पारिस्थितिक असंतुलन बढ़ता है। (4) बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आम हो जाती हैं। चार धाम सड़क परियोजनाः- उत्तराखंड में चार धाम सड़क परियोजना के नाम पर हजारों पेड़ों की कटाई की गई। पर्यावरणविदों ने पहले ही चेतावनी दी थी कि यह इलाका भूस्खलन-प्रवण है। फिर भी सड़कों को चौड़ा करने के लिए बड़े-बड़े हिस्सों को नष्ट कर दिया गया। पर्यटन का असंवेदनशील विस्तारः- किन्नौर और धराली जैसे क्षेत्र अब ₹टूरिज्म हॉटस्पॉट₹ बन गए हैं। इसके चलतेः (1) अवैज्ञानिक होटल निर्माण हुआ। (2) जैविक अपशिष्ट नदियों में फेंका गया। (3) वॉटर रीसोर्सेज पर अतिरिक्त दबाव पड़ा। (4) स्थायी जनसंख्या से अधिक वाहनों का प्रवेश हुआ।- अवैध खनन और निर्माण कार्य (1) किन्नौर के पहाड़ों में अवैध खनन बहुत वर्षों से चल रहा है। (2) स्थानीय लोगों की शिकायतों के बावजूद प्रशासनिक चुप्पी रही। (3) यह गतिविधियाँ भूगर्भीय अस्थिरता को और बढ़ावा देती हैं, जिसे रेखांकित करना होगा। साथियों बातें कर हम धराली उत्तराखंड के बाद किन्नौर हिमाचल प्रदेश में 6 अगस्त 2025 को बादल फटने की करें तोधराली के बाद हिमाचल प्रदेश में भी हालात खराब दिखाई दे रहे हैं, उत्तरकाशी में नदी के बढ़े जलस्तर व आस-पास के क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर अधिकारियों को 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए। धराली उत्तरकाशी में सभी सरकारी एजेंसियां, विभाग और सेना आपसी समन्वय से राहत एवं बचाव कार्य में लगे हुए हैं। बीती रात 130 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया गया है। बंद रास्तों को खोला जा रहा है और प्रभावितों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। उत्तराखंड के सीएम का कहना है, पूरा धराली आपदा की चपेट में आ गया है, और कल की घटना के बाद वहां कई चरणों में मलबा आया है. मैंने आज वहां जाकर लोगों से मुलाकात की, उनसे बात की और घटना की जानकारी ली, आपदा से सब कुछ तबाह हो गया, इसके साथ ही शाम तक सेना के जवानों ने करीब 190 लोगों को बचा लिया है, उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है, अभी घायलों को भी वहां से रेस्क्यू कर उत्तरकाशी लाया जा रहा है, कई जगहों पर भूस्खलन से पूरा संपर्क मार्ग पूरी तरह प्रभावित हुआ है।सरकार सभी व्यवस्थाएं करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, प्रधानमंत्री ने भी हमें हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया है, और उनके मार्गदर्शन में हम आपदा पीड़ितों की समुचित मदद करेंगे, यह स्पष्ट है कि पहाड़ी क्षेत्रों में हो रहे कटाव, भूस्खलन और सडकों के धंसने जैसी आपदाओं के लिए प्रकृति नहीं, बल्कि मानव की अविवेकपूर्ण योजनाएं, लालची विकास मॉडल और पर्यावरणीय उपेक्षा ही मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं।

वाराही धाम-जहाँ रक्षाबंधन पर देवी को प्रसन्न करने के लिए लड़ा जाता है युद्ध

(रमाकान्त पन्त)

जनपद चम्पावत के देवीधूरा में स्थित माँ वाराही देवी शक्तिपीठ वाराही धाम के नाम से लोक प्रसिद्ध है। प्राचीन काल से ही यह पावन धाम माँ वाराही देवी की अलौकिक व रहस्यमयी लीलाओं भी भूमि मानी गई है। सदियों से ही यहाँ रक्षा बन्धन के अवसर पर एक विशाल मेले का आयोजन होता आया है, जिसे आषाढ़ी कौतिक भी कहा जाता है। इस पावन पर्व पर जहाँ एक ओर माँ वाराही देवी के दर्शन पूजन, वन्दन व अन्य धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न कराने को बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त समर्पण भाव से यहाँ पहुंचते हैं वहीं देश के अनेक हिस्सों से आषाढ़ी कौतिक में खेली जाने वाली ₹ बग्वाल₹ यानी पत्थर युद्ध का रोमांच उठाने को भी लाखों की संख्या में दर्शनार्थी अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं और रणबांकुरों की आस्था, भक्ति, शौर्य, पराक्रम तथा इस अनूठी परम्परा के प्रत्यक्षदर्शी बन कर स्वयं को गौरवान्वित अनुभव करते हैं। सचमुच माँ वाराही धाम में आयोजित होने वाला यह आषाढ़ी कौतिक महान जनआस्था, भक्ति, समर्पण, पौरुष व दुर्लभ परम्परा का एक अनूठा और अलौकिक महासंगम है।

विज्ञान के आधुनिक युग में भी यहाँ पाषाण कालीन परम्परा से खेली जाने वाली बावाल यानी पत्थर युद्ध को देख हर कोई हैरान व रोमांचित हो उठता है। इस युद्ध में पत्थरों की बरसात से रणबाकुरों को चोट पहुंचना अथवा उनका घायल होना बहुत सामान्य बात है। निगाल से बनी ढाल से बचाव करते हुए भी हर वर्ष सैकड़ों युद्धरत रणबांकुरे बुरी तरह घायल हो जाते हैं। जान-माल की क्षति कम से कम हो, सम्भवतः इसी विचार से हाल के कुछ वर्षों से मेला समिति व जिला प्रशासन के प्रयासों से युद्ध में अब पत्थरों का प्रयोग पहले से कम करा दिया गया है, पत्थरों की जगह फल व फूलों से बग्वाल खेलने अर्थात युद्ध लड़ने की परम्परा शुरू कराई गयी है। पुरातन काल से ही माँ वाराही देवी की प्रसन्नता के लिए सम्पूर्ण समर्पण व भक्तिभाव से देवीधूरा वाराही धाम में बग्वाल खेलना समीपवर्ती ग्रामीणों के लिए एक अनिवार्य कर्तव्य माना गया है। इसीलिए वाराही धाम के आस-पास स्थित गाँवों के चार अलग-अलग खाम यानी दल अटूट आस्था, श्रद्धा व उत्साह के साथ विधिवत पूजा-अनुष्ठान के पश्चात गाजे बाजों तथा ढाल- पत्थर, फल-फूल इत्यादि के साथ यहाँ स्थित ऐतिहासिक दूबा चौड़ मैदान में विजयश्री प्राप्त करने को पत्थर युद्ध के लिए उतरते हैं।

बग्वाल युद्ध में परम्परानुसार लमगड़िया खाम, वालिक खाम, चम्याल खाम तथा गहड़वाल खाम के रणबांकुरे ही भाग लेते हैं, जिसमें युवाओं के अलावा अक्सर बच्चे व वृद्ध जन भी बग्वाल खेलते देखे जा सकते हैं । निश्चित मयार्दा व विधि-विधान से लड़े जाने वाले इस पाषाण युद्ध की शुरूआत शुभ मुहूर्त में मन्दिर के पुजारी द्वारा शंख ध्वनि के साथ होती है। ताँबे का छत्र और चंवर गाय की पूँछ के साथ पुजारी युद्ध के हर दृश्य को ध्यान से निहारता रहता है। लाखों दर्शकों की उपस्थिति में खोली खांण दूबा चौड़ मैदान के चारों कोनों से चार अलग-अलग खामों के योद्धा फूल - मालाएं पहन, विजय तिलक लगाकर रणभेरी व बाजे - गाजे के साथ एक दूसरे पर पत्थर वर्षा करते हुए मैदान के बीचों बीच एक निश्चित जगह को स्पर्श करने का प्रयास करते हैं। माना जाता है कि जो खाम अथवा दल उस निश्चित लक्ष्य को पहले स्पर्श करने में सफल हो जाता है, उसे विजयी घोषित कर दिया जाता है। इसी के साथ पुजारी द्वारा शंख ध्वनि किये जाने पर पत्थर युद्ध समाप्त मान लिया जाता है। इस पत्थर युद्ध में सैकड़ों योद्धा घायल हो जाते हैं, कइयों को गम्भीर चोटें भी आती हैं, परन्तु चारों खामों के लड़ाके युद्ध समाप्ति के पश्चात एक दूसरे की कुशल क्षेम जानते हैं, परस्पर गले मिलते हैं

नाबालिग लड़की का अपहरण

पीड़िता का भाई बोला- आरोपी जमानत पर जेल से छूटा है, बहन को बहला-फुसलाकर ले गया

भारत संवाद

प्रयागराज, प्रयागराज के मांडा थाना क्षेत्र के भारतगंज कस्बे में एक नाबालिग लड़की का अपहरण का मामला सामने आया है। पीड़िता के भाई ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार, मिजार्पुर जनपद के भंटवा पोखरी निवासी इरफान मंसूरी उर्फ अज्जू, मोहम्मद इमरान, जुबैदा और भारतगंज का रहने वाला रोज मोहम्मद उर्फ राज मोहम्मद ने 30 जून 2025 को उसकी नाबालिग बहन को बहला-फुसलाकर भगा ले गया। आरोप है कि वे लड़की को किसी एकांत स्थान पर छिपाकर रखे हुए हैं। पीड़ित परिवार ने काफी खोजबीन के बाद थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने यह भी बताया कि इससे पहले भी इरफान मंसूरी ने उनकी बहन का अपहरण किया था। इस मामले में वह दस महीने तक नैनी जेल में रहा था और अभी जमानत पर बाहर है। मांडा थाना प्रभारी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर दी गई है। जल्द ही आरोपियों को

पकड़कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित परिवार के अनुसार, पहले भी आरोपियों ने नाबालिग लड़की का अपहरण किया था और उसे दस महीने तक बाहर रखा था। पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। लेकिन जेल से बाहर आते ही आरोपियों ने दोबारा लड़की का अपहरण कर लिया है।

मंत्री जी ने ब्वॉयज हाईस्कूल पहुंचकर बाढ़ प्रभावित लोगो को बाढ़ राहत किट का किया वितरण

मंत्री जी की उपस्थिति में ब्वॉयज हाईस्कूल में बाढ़ से प्रभावित लोगो को 1500 राशन किट का किया गया वितरण

- जनपद में अब तक बाढ़ से प्रभावित लोगो को 9100 राशन किट का किया गया वितरण
- तालाबों एवं अन्य स्थानों पर पानी में डूबने से मृत हुए 05 लोगो के परिजनों को 04-04 लाख रुपए का डेमो चेक दैवीय आपदा राहत कोष से प्रदान किया गया

भारत संवाद

मंत्री, औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एन0आर0आई0 एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग, उत्तर प्रदेश श्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी जी ने रविवार को ब्वॉयज हाईस्कूल पहुंचकर बाढ़ प्रभावित लोगो को बाढ़ राहत किट का वितरण किया। इस अवसर पर मा0 मंत्री श्री नंन्द गोपाल गुप्ता नंदी जी की उपस्थिति में बाढ़ से प्रभावित 1500 लोगो को राशन किट का वितरण किया गया तथा तालाबों एवं अन्य स्थानों पर पानी में डूबने से मृत हुए 05 लोगो के परिजनों को 04-04 लाख रुपए का डेमो चेक दैवीय आपदा राहत कोष से प्रदान किया गया। राशन किट में आटा-10 किलो, चावल-10 किलो, अरहर दाल-2 किलो, चना-2 किलो0, भुना चना-2किलो, नमक-1किलो, रिफाइंड/सरसो का तेल-1लीटर, बिस्कुट-10पैकेट, हल्दी-200 ग्राम, मिर्च-100ग्राम, सब्जी मसाला-200ग्राम, चीनी-1 किलो, तिरपाल-1पीस, माचिस व मोमबत्ती-प्रत्येक 1पैकेट, नहाने का साबुन-2 अदद, कपड़े धोने का साबुन-2 अदद, सेनेट्री पैड-20 अदद, डिस्पोजेबल बैग-20 अदद, डेटाल/सेवलॉन-100 एमएल-1पीस, सूती कपड़ा-1 मीटर, तौलिया-1पीस, लाई-2.5 किलो, 18 लीटर की ढक्कनदार बाल्टी- 1पीस, आलू-10 किलो, मग-1 अदद, जैसी जरूरी वस्तुएं है। इस अवसर पर

जिलाधिकरी श्री मनीष कुमार वर्मा ने जनपद में बाढ़ से प्रभावित लोगो के लिए किए गए प्रबंधन के बारे में मा0 मंत्री जी को विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि जनपद में शहरी क्षेत्र में बाढ़ से कुल 54 मुहल्ले जिसमें कुल 42521 लोग प्रभावित हुए थे। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में 6 तहसीलों के अन्तर्गत 69 ग्राम के कुल 39500 लोग बाढ़ से प्रभावित थे। नगर क्षेत्र में कुल 21 बाढ़ शरणालय स्थापित किए गए थे, जिनमें कुल 2223 परिवार के 9470 व्यक्तियों के द्वारा बाढ़ राहत शरणालयों में निवास किया गया। वर्तमान में सभी वर्तमान सभी लोग अपने घरों में चले गये हैं। इसी तरह से तहसील सोरांव में 01 बाढ़ शरणालय, तहसील बारा में 01 बाढ़ शरणालय एवं तहसील मेजा में 02 बाढ़ शरणालय बनाये गये थे, जिसमें बाढ़ अवधि के दौरान कुल 534 व्यक्तियों द्वारा निवास किया गया।

फास्ट ट्रैक

थाना अहरौरा पुलिस द्वारा नाबालिग को बहला-फुसला कर भगाने व दुष्कर्म करने के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

थाना अहरौरा, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः02.08.2025 को एक व्यक्ति द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादी की नाबालिग पुत्री को बहला-फुसला के भगा ले जाने तथा जान से मारने की धमकी देने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना अहरौरा पर मु0अ0सं0-175/2025 धारा 137(2),351(2) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।सोमेन बर्माह्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी ऑपरेशन के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक अहरौरा को अभियुक्त की गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए गए । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना अहरौरा पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में सुरागरसी-पतारसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में दिनांकः09.08.2025 को उप-निरीक्षक रामदरश यादव मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना अहरौरा क्षेत्रान्तर्गत कुदरन नहर के पास से नामजद अभियुक्त चन्द्रशेखर उर्फ पंकज उर्फ सोनू पुत्र राजेन्द्र बिन्द निवासी डोहरी थाना अहरौरा जनपद मीरजापुर को अंतर्गत धारा 65,137(2),351(2) बीएनएस व 3/4 पॉक्सो एक्ट में गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना जिगना पुलिस द्वारा चोरी की 04 अदद मोबाइल के साथ 01 अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान, चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने एवं संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी तथा प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिया गया है । उक्त निर्देश के अनुक्रम में आज दिनांकः10.08.2025 को उप-निरीक्षक अवधेश सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना जिगना क्षेत्रान्तर्गत बजटा मेन रोड़ हाइवे के पास से चोरी की 04 अदद मोबाइल के साथ अभियुक्त गुड्डू बिन्द पुत्र दशरथ बिन्द निवासी दादर कला थाना विन्ध्याचल जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया। जिसके द्वारा अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर मोबाइल चोरी की घटना को कारित करना स्वीकार करते हुए बताया गया कि चोरी की मोबाइलों बेचकर प्राप्त पैसे को हम लोग आपस में बाँट लेते है । थाना जिगना पुलिस द्वारा उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना जिगना पर मु0अ0सं0-239/2025 धारा 317(2),317(4),317(5) बीएनएस पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त को मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

आज के राहत कि मुख्य कार्यवाही

1. जनपद मीरजापुर के तहसील सदर अन्तर्गत एस0के0 डिग्री कालेज तिलठी में स्थापित बाढ़ राहत शिविर में बाढ़ प्रभावित पात्र परिवारों को राहत सामग्री पैकेट का मा0 विधायक नगर रत्नाकर मिश्र द्वारा 400 राहत किट का वितरण किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार, अपर जिलाधिकारी श्री अजय कुमार सिंह, उपजिलाधिकारी सदर श्री गुलाब चंद्र, तहसीलदार सदर डॉ विशाल शर्मा सहित अन्य राजस्व अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

2. जनपद में तहसील चुनार के सीखड़ ब्लाक मुख्यालय पर बाढ़ प्रभावित पात्र परिवारों को मा0 जनप्रतिनिधि द्वारा बाढ़ प्रभावितों को कुल 460 राहत किट अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) श्री अजय कुमार सिंह, उपजिलाधिकारी चुनार राजेश वर्मा, तहसीलदार चुनार इवेंद्र कुमार सहित अन्य राजस्व अधिकारी/कर्मचारी कि मौजूदगी में वितरित किया गया।

प्रयागराज में झंडारोहण कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंत्री नन्दी का नाम किया नामित

- प्रभातफेरी, झंडारोहण, प्रभातफेरी के साथ ही सम्मान समारोह व प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा

भारत संवाद

देश की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर मनाए जा रहे आजादी के अमृत महोत्सव के तहत उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी प्रयागराज में झंडारोहण कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। जिसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंत्री नन्दी को नामित किया है। मंत्री नन्दी प्रयागराज में आजादी के अमृत महोत्सव पर होने वाले प्रमुख कार्यक्रम में ध्वजारोहण करने के साथ ही विभिन्न आयोजनों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में भी आजादी का अमृत महोत्सव भव्य से भव्यतम रूप में मनाया जाएगा। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी आजादी के अमृत महोत्सव पर प्रयागराज में होने वाले झंडारोहण कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के दिन प्रभातफेरी, झंडारोहण, प्रभातफेरी के साथ ही सम्मान समारोह व प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा।मंत्री नन्दी ने बताया कि आजादी के अमृत महोत्सव के तहत सम्पूर्ण देश में राष्ट्रीय ध्वज को लेकर वृहद स्तर पर ध्वजारोहण कराने की पीएम मोदी की मुहिम रंग ला रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर घर तिरंगा आह्वान के बाद सभी जनपदों, घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर ध्वजारोहण किया जाएगा। घरों के साथ-साथ आसमान में भी तिरंगा लहराता दिखाई देगा, जहां नजर जाएगी, वहां तिरंगे का ही नजारा होगा।मंत्री नन्दी ने कहा कि प्रयागराज में 11 अगस्त से आजादी के अमृत महोत्सव की शुरूआत हो जाएगी। 11 से 17 अगस्त के बीच सभी सरकारी, गैर सरकारी चिकित्सालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों में हर-घर तिरंगा कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। वहीं 12 अगस्त को नुक्कड़ नाटकों व 13 अगस्त को स्वतंत्र उद्घोष प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। 14 अगस्त को पुस्तक प्रदर्शनी, राष्ट्रभक्ति पर आधारित फिल्मों का प्रदर्शन होगा। कवि सम्मेलन के साथ ही तिरंगा यात्रा का भी आयोजन होगा। 15 अगस्त की सुबह प्रयागराज में स्कूली बच्चों की प्रभात फेरी निकाली जाएगी, बैंड के धुन पर मार्च पास्ट होगा, पौधरोपण के साथ ही स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, बलिदानियों व स्वाधीनता के बाद युद्धों में शहीद हुए सैनिकों, पुलिस कर्मियों के परिजनों को सम्मानित किया जाएगा।

बाढ़ से बरहाकला के 50 घर ढहे

ग्रामीण तंबू में रहने को मजबूर, हजारों बीघा फसल बर्बाद

भारत संवाद

प्रयागराज , प्रयागराज के मेजा तहसील के बरहा कला गांव में 17 हजार की आबादी इन दिनों बाढ़ जैसे हालात से जूझ रही है। पहाड़ी इलाकों से आ रहा पानी गांव को चारों तरफ से घेर चुका है और लोगों की जिंदगी मुश्किल में डाल दी है। पानी घरों में घुस आया, जिससे दर्जनों परिवारों को रातों-रात घर छोड़ना पड़ा। अब तक 50 से ज्यादा घर पूरी तरह ढह चुके हैं, जबकि 33 घरों में पानी भरने से सुबह ग्रामीणों को पलायन करना पड़ा। परेशान ग्रामीणों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाला और डीएम से मदद की अपील की। ग्राम प्रधान ने की ग्रामीणों की मदद गांव के प्रधान राजेश्वर यादव मौके पर पहुंचे और प्रभावित परिवारों का सामान निकलवाकर अस्थाई ठिकानों तक भेजवाया। अब ये परिवार पन्नी के तंबू और पंडालों में रहने को मजबूर हैं। बाढ़ ने हजारों बीघा फसल भी बर्बाद कर दी है। पहले से फसल की चिंता में डूबे किसान अब घर-परिवार की सुरक्षा को लेकर परेशान हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सांसद, विधायक और डीएम से शिकायत के बावजूद अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। लेखपाल को निरीक्षण के लिए भेजा गया वहीं, मेजा के एसडीएम सुरेंद्र प्रताप यादव का कहना है कि स्थानीय लेखपाल को निरीक्षण के लिए भेजा गया है। जिन घरों में पानी घुसा है, वहां अस्थाई रहने की सुविधा दी जा रही है। बाढ़ प्रभावित परिवारों को हरसंभव मदद देने का आश्वासन भी उन्होंने दिया।

विधायक नगर व जिलाधिकारी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रो में प्रभावित व्यक्तियों को वितरित किया राहत सामाग्री पैकेट

तहसील चुनारके सीखड़ ब्लाक मुख्यालय पर भी बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत सामाग्री का वितरण अधिकारियों द्वारा किया गया

भारत संवाद

- बाढ़ प्रभावितो अब तक राहत व बचाव के अन्तर्गत 4000 राहत खाद्यान किट एवं डिग्निटी किट 39250 लंच पैकेट का किया गया वितरण
- संक्रामक बीमारियों से बचाव के दृष्टिगत 10779 ओ0आर0एस0 पैकेट एवं 35277 क्लोरीन टेबलेट का भी स्वास्थ्य विभाग द्वारा वितरित किया गया

मीरजापुर - जनपद के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रो में बाढ़ से प्रभावित लोगो में राहत व बचाव का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा हैं। राहत शिविरों में रह रहे व बाढ़ से प्रभावित लोगो को राहत सामाग्री पैकेट वितरण करने के साथ ही संक्रामक बीमारियों के रोकथाम हेतु जीवन रक्षक दवाईयां, पशुओं की बीमारियों को रोकने के दृष्टिगत टीकाकरण, भूषा आदि का वितरण प्रभावी ढंग से किया जा रहा है ।जनपद के तहसील सदर अन्तर्गत एस0के0 डिग्री कालेज तिलठी में स्थापित बाढ़ राहत शिविर में मा0 विधायक नगर रत्नाकर मिश्र व जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार के द्वारा बाढ़ प्रभावित पात्र परिवारों को राहत सामाग्री पैकेट का वितरण किया गया। इस अवसर पर मा0 विधायक व जिलाधिकारी द्वारा 400 राहत किट का वितरण पात्र प्रभावित लोगो को दिया गया। मा0 विधायक नगर ने अपने उद्बोधन में मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी व प्रदेश के मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी का धन्यवाद देते हुए कहा वे स्वंय उन्हें 1978 से लेकर अब कई बाढ़ को देखा है, परन्तु त्वरित व पारदर्शी ढंग से

पात्र बाढ़ प्रभावितो को राहत सामाग्री व बचाव कार्य वर्तमान सरकार द्वारा किया जा रहा है जिससे बाढ़ प्रभावितो को राहत सामाग्री व मुआवजा के लिए परेशान नही होना पड़ रहा हैं। उन्होंने कहा कि वितरित किए जाने वाले राहत पैकेट में खाद्यान से लेकर प्लास्टिक पन्नी सहित 26 प्रकार के आवश्यक सामाग्रियां रखी गई जो एक घर के लिए आवश्यतानुसार चाहिए। इसके अलावा ताजा भोजन बनवाकर भी जो लोग घरो में है उन्हें व राहत शिविरों में रह रहे लोगो को पहुंचाया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि जनपद के जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक व सम्बन्धित उप जिलाधिकारी तथा जिस अधिकारी को जो भी बाढ़ में लगाया है वे पूरी निष्ठा के साथ हर जगह लोगो को मद्द पहुंचान के लिए तत्पर। उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी का स्पष्ट निर्देश है कि बाढ़ क्षेत्र पीड़ित लोगो को त्वरित सहायता किया जाए। तहसील सदर अन्तर्गत ग्राम भटौली में मा0 विधायक मझवां के प्रतिनिधि डा0 जे0पी0 बिन्द व सुशील मिश्रा के द्वारा राहत सामाग्री का वितरण किया गया। इसी प्रकार तहसील चुनार अन्तर्गत बाढ़ राहत शिविरों में उप जिलाधिकारी चुनार व क्षेत्र के मा0 जनप्रतिनिधिगण के द्वारा राहत सामाग्री किट का युद्ध स्तर पर वितरण किया जा रहा हैं।

उज्जैन में मातेश्वरी पुष्प भंडार एवं फ्लावर डेकोरेशन का भव्य शुभारंभ

भारत संवाद

उज्जैन। धार्मिक नगरी उज्जैन में ढाबला रहवारी, आगर रोड पर मातेश्वरी पुष्प भंडार एवं फ्लावर डेकोरेशन का भव्य शुभारंभ हुआ। पुष्प सजावट के इस प्रतिष्ठान में सभी प्रकार के फूल, माला, वरमाला, कार स्टेज, हल्दी, मेंहदी, गोट, रूम तथा शादी-पार्टी और धार्मिक आयोजनों के लिए विशेष सजावट की सुविधाएं उपलब्ध हैं। संस्थान संचालक एन.के. प्रजापत एवं अंकित प्रजापत ने बताया कि यहां उच्च गुणवत्ता वाले फूलों और गुब्बारों से आकर्षक सजावट की जाती है। विशेषकर शादी-ब्याह, धार्मिक अनुष्ठान, जन्मदिन और सामाजिक कार्यक्रमों में थीम आधारित डेकोरेशन की भी व्यवस्था है।उज्जैनवासियों के लिए यह नया पुष्प एवं सजावट केंद्र एक ही स्थान पर सभी सजावट सामग्रियों का बेहतरीन विकल्प प्रदान करेगा। संपर्क हेतु झ एन.के. प्रजापत (मो. 9993897353)

गजानन महतपुरकर

भारत संवाद

सुपरिचित कवि, गीतकार, मंच संचालक, मीडिया एवं जनसम्पर्क सलाहकार, निवर्तमान कार्यकारी सदस्य-महाराष्ट्र राज्य हिन्दी साहित्य अकादमी एवं पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवा निवृत्त। आपकी सृजनात्मक कृतियाँ अनेक हैं, लेकिन पश्चिम रेलवे की लोकप्रिय गृह पत्रिका रेल दर्पण के कुल 32 अंकों का सफल सम्पादन और 60 से अधिक सम्मान एवं पुरस्कारों का मिलना आपकी सृजनात्मक श्रेष्ठता को साबित करता है। इनमें महाप्रबंधक, रेल मंत्री और राष्ट्रपति से प्राप्त विभिन्न पुरस्कार, धड़क लेखन सम्मान आदि मुख्य रूप से शामिल हैं। अनेकानेक टी वी चैनलों पर आपकी सक्रिय उपस्थिति के अलावा आपके द्वारा लिखित श्रीराम मंगलगान और अन्य कई गीत यू-ट्यूब पर लोकप्रिय होकर धूम मचा रहे हैं।

15 अगस्त, 2025 को भारत के स्वाधीनता दिवस के राष्ट्रीय पर्व पर विशेष काव्यात्मक अभिव्यक्ति

रचनाकार– गजानन महतपुरकर, गीतकार, मंच संचालक, मीडिया एवं जनसम्पर्क सलाहकार, साहित्यकार और स्वतंत्र पत्रकार, मुंबई

मैं भारत हूँ..! मैं भारत हूँ..!
गौरवशाली इतिहास और गतिशील वर्तमान की राह पर उज्ज्वल भविष्य का यशस्वी रथ हूँ..!
मैं भारत हूँ..! मैं भारत हूँ..!

मैं भारत हूँ..!
विश्व के नक्शे पर सीमाओं से परे,
मैं एक साधना हूँ..!
उस सर्वशक्तिमान की
निर्मल आराधना हूँ..!
मैं एक भावना हूँ....
संघर्ष की, समर्पण की,
रीतियों की, रिवाजों की,
मैं मिट्टी की उस खुशबू में हूँ, जो किसान के पसीने से निकलती है,
और लहलहाती फसलों के मनमोहक नर्तन में मचलती है,
मैं बच्चों की उस मुस्कान में हूँ, जिनकी मासूमियत में भारत का संस्कार झलकता है,
और युवाओं की उन सपनीली आँखों में हूँ, जिनमें देश का सुनहरा भविष्य चमकता है,
अपने बहादुर सैनिकों के बलिदानी खून के निरुपम स्वाभिमान से लथपथ हूँ..!
मैं भारत हूँ..! मैं भारत हूँ..!

मैं भारत हूँ..!
मैं सिंधु घाटी की सभ्यता हूँ, वेदों की ऋचाओं में गूँजने वाली भव्यता हूँ।
मैं गंगा, मैं यमुना हूँ, मैं हूँ नर्मदा,
जो सदियों से जीवन देती आई सर्वदा,
मेरे आँचल के एक छोर पर बसी हैं ऋषियों की तपोभूमियाँ,
और दूसरे छोर पर हैं, योद्धाओं की रणभूमियाँ,
मैं श्रीराम से लेकर श्रीकृष्ण तक की अलौकिक गरिमा का अग्निपथ हूँ..!
मैं भारत हूँ..! मैं भारत हूँ..!

मैं भारत हूँ..!
मैंने देखा है जंजीरों में कराहते अपने बेटों को, मगर कभी उन्हें झुकने नहीं दिया,
मैंने अपने आप को विभाजित होते देखा, मगर कभी जनतंत्र के जज्बे को बिखरने नहीं दिया,
मैंने जेल की कालकोठरी से लेकर लाल किले तक, हर दीवार पर आजादी का सपना है लिखा,
मेरे शूरवीरों के पराक्रम ने आखिर, प्रज्वलित की है स्वाधीनता की दीपशिखा,
मैं वीर शिवाजी, झाँसी की रानी

और महात्मा गांधी से लेकर शहीद भगतसिंह की अमूल्य देशभक्ति की विरासत हूँ..!
मैं भारत हूँ..! मैं भारत हूँ..!

मैं भारत हूँ..!
मैंने कश्मीर की शानदार कशीदाकारी हूँ, तो सूरज के मनोरम दृश्य को निहारता कन्याकुमारी भी हूँ,
मैं पंजाब के भांगड़े की बिंदास ताल पर झूमता हूँ, तो असम की मनभावन संस्कृति के महकते सुरों में चहकता हूँ,
मैं गरबा हूँ, मैं घूमर हूँ, मैं कत्थक की थिरकन हूँ,
मैं ओडिसी और भरतनाट्यम् की मधुर धड़कन हूँ,
गणेशोत्सव से छठ तक, ईद से दिवाली तक, शिवरात्रि से नवरात्रि तक, बैसाखी से क्रिसमस तक हर उत्सव का रंग बिरंगा उल्लास मेरी रगों में बहता है,
अनेक भाषाओं और बोलियों के बावजूद विविधता में एकता का मूल मंत्र सबके दिल में रहता है,
विश्व को शांति, सद्भाव और एकता का अनूठा पैगाम देने वाले अपने विलक्षण संतों और गुरुओं की इबादत हूँ..!
मैं भारत हूँ..! मैं भारत हूँ..!

मैं भारत हूँ..!
मैं चाँद पर पहुँचा हूँ,
मैंने बनाई हैं तकनीक की नई राहें,
बेहतर भविष्य की बुलंदियों पर हैं मेरी निगाहें,
मैं युवा हूँ, उत्साही हूँ,
मैं एक जाँबाज सिपाही हूँ,
परम्पराओं को साथ लेकर, आधुनिकता की पोशाक पहने, वैज्ञानिकता की लगाम थामे.....विकास के रास्ते पर विश्वगुरु के मंच की ओर निरंतर बढ़ रहा हूँ,
मैं अत्याधुनिक प्रगति के सफर पर नित नये सोपान चढ़ रहा हूँ,
मुश्किल चुनौतियों को भेद कर, पृथ्वी से अंतरिक्ष तक, समय के पन्नों पर लिखी, बेमिसाल कामयाबी की अमिट इबारत हूँ..!
मैं भारत हूँ..! मैं भारत हूँ..!

मैं भारत हूँ..!
मैं दास्तान हूँ असंख्य यादगार तारीखों की, उनसे मिले सबकों और मूल्यवान सीखों की,
मैं धरती हूँ नीतिवानों की, बुद्धिमानों की, शक्तिमानों की, मैं धरोहर हूँ इस दुनिया के सबसे प्राचीन पुराणों की,
मुझे किसी पनाह की, शहंशाह की, या किसी सलाह की नहीं .....बल्कि उन सच्ची धड़कनों की जरूरत है, जो अपने राष्ट्र के लिए धड़कती हों, और ऐसी हर धड़कन की बुनियाद पर बनी मैं एक भव्य इमारत हूँ..!
मैं भारत हूँ..! मैं भारत हूँ..!

मैं भारत हूँ..!
आज हमारे सैन्य शौर्य से दुश्मन भी थर्राता है,
राष्ट्र का जाँबाज कमांडर सकुशल लौट के आता है,
आतंकवाद के खिलाफ अब हमने बिगुल बजाया है, ऑपरेशन सिंदूर ने अपना लोहा मनवाया है,
देश को बाँटने वालों को अब जनता ने ललकारा है, राष्ट्रवाद की लहर ने सब गद्दारों को फटकारा है,
दुनिया वालों आज जान लो, वक़्त का बड़ा इशारा है, विश्व में अपनी धाक जमाता, हिंदुस्तान हमारा है,
आतंकी अड्डों को नेस्तनाबूद करने वाली अद्भुत और अजेय ताकत हूँ..!
मैं भारत हूँ..! मैं भारत हूँ..!
आजादी के पर्व पर हर देशभक्त के दिल से निकले यही गौरवशाली जय घोष....
मैं भारत हूँ..! मैं भारत हूँ..!
मैं भारत हूँ..! मैं भारत हूँ..!
जय हिंद..! वंदे मातरम..!

रुपाली निषाद के नेतृत्व में मनाई गई वीरांगना फूलन देवी जयंती

अदम्य साहस और संघर्ष की प्रतीक हैं फूलन देवी : श्यामलाल

भारत संवाद

सुलतानपुर। आज दिनांक 10.08.2025 को विकास खण्ड दूबेपुर क्षेत्रान्तर्गत भोएँ (एकलव्य नगर) गांव में संचालित निःशुल्क मोस्ट पाठशाला में वीरांगना फूलन देवी जयंती के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की आयोजक रूपाली अभिषेक निषाद, संरक्षक गीता राम सतन निषाद तथा अध्यक्षता कारपेंटर लाल बहादुर निषाद ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मोस्ट निदेशक शिक्षक श्यामलाल ₹गुरुजी₹ तथा विशेष अतिथि मोस्ट जिला प्रमुख डॉ. गोविंद भगत उपस्थित रहे। उक्त अवसर पर सर्वसम्मति से सुरेंद्र निषाद को मोस्ट ब्लॉक प्रमुख लम्भुआ व जितेंद्र निषाद को जिला कमेटी में चयनित किया गया। मोस्ट डायरेक्टर शिक्षक श्यामलाल ₹गुरूजी₹ ने कहा कि अदम्य साहस और संघर्ष की प्रतीक शोषितों-पीड़ितों, हक-वंचितों, पिछड़ों को वीरांगना फूलन देवी के जीवन संघर्ष से विषम परिस्थितियों में संघर्ष की प्रेरणा मिलती है।इस मौके पर मोस्ट प्रमुख जीशान अहमद, जिला मीडिया प्रभारी धर्मेन्द्र निषाद, डा. एपी रंजन, एसपी लोहिया, विवेक निषाद, डा. गोविंद भगत, डा. राहुल निषाद, गणेश निषाद, अमित निषाद, सचिन निषाद, युवराज निषाद, सत्यम निषाद शिवानी निषाद, साधना निषाद, दिव्या निषाद, चारु निषाद सहित भारी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

आठ वर्ष की प्रभु जी की रसोई की निरन्तर सेवा की अविरल धारा अद्वितीयः मण्डलायुक्त

हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा अभियान की भी शुरूआत अटल कुमार राय ने की

भारत संवाद

सहारनपुर , लोक कल्याण समिति पंजीकृत द्वारा स्थानीय गांधी पार्क जनमंच के निकट 9 अगस्त 2017 से गरीब, असहाय व अन्य जरूरतमंद लोगों को प्रतिदिन निःशुल्क भोजन वितरित किये जाने के आज आठ वर्ष पूर्ण होने पर मंडलायुक्त अटल कुमार राय ने प्रभु जी की रसोई में आकर गरीब व असहाय लोगों को अपने हाथ से भोजन वितरित किया। समिति के सचिव शीतल टण्डन व बड़ी संख्या में उपस्थित सदस्यों द्वारा मंडलायुक्त श्री राय को अंगवस्त्र व पुष्प भेंट कर व पगड़ी पहनाकर मंडलवासियों की ओर से अभिनन्दन किया गया।

इस अवसर पर मंडलायुक्त ने कहा कि प्रभु जी की रसोई की आठ वर्ष की निरन्तर सेवा के दौरान लगभग 13 लाख लोगों को उच्च कोटि का भोजन निःशुल्क भोजन वितरित किया जा रहा है और सेवा की यह अविरल धारा नर सेवा नारायण सेवा एवं भूख के खिलाफ अभियान को चरित्रार्थ कर रही है। इसके लिए समिति के सभी सदस्य व सहयोगकर्ता बधाई के पात्र है। इस अवसर पर रसोई के आठ वर्ष पूर्ण होने पर मंडलायुक्त द्वारा एक पोस्टर का भी विमोचन किया गया। साथ ही इस वर्ष के स्वाधीनता दिवस कार्यक्रमों की श्रृंखला में हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा अभियान की शुरूआत भी मंडलायुक्त द्वारा प्रभु जी की रसोई से की गयी और समिति के सदस्यों द्वारा मंडलायुक्त को खादी का विशाल तिरंगा भी भेंट किया गया।

समिति के सचिव शीतल टण्डन ने कहा कि इन आठ वर्षों में वर्ष 2020 व 2021 के कोरोना काल में भी जिस प्रकार हजारों की संख्या में प्रतिदिन प्रभु जी की रसोई के माध्यम से लोगों को भोजन के पैकेट उपलब्ध कराये गये और सेवा की इस अविरल धारा में सहयोगकताओं का सबसे अहम योगदान है। यहां लोग अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, बड़े बुजुर्गों की पुण्यतिथि, पितृ पक्ष व अन्य अवसरों पर गरीब व असहायों लोगों को भोजन कराने में सहयोग करते हैं। उन्होंने कहा कि 9 अगस्त 2017 को तत्कालीन मंडलायुक्त दीपक अग्रवाल द्वारा प्रभु जी की रसोई की स्थापना की गयी थी और तब लेकर 9 अगस्त 2025 तक आठ वर्षों में प्रभु जी की रसोई में तेरह लाख लोगों को निःशुल्क भोजन वितरित किया जा चुका है और प्रभु कृपा व सबके सहयोग से यह निरन्तर जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि सेवा अभियान की शुरूआत तत्कालीन मंडलायुक्त दीपक अग्रवाल की प्रेरणा से की गयी थी।

फास्ट ट्रैक

सपोर्ट फॉर स्कूल की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

ट्रायल आयोजित करने पर किया विचार विमर्श

भारत संवाद

सहारनपुर। सपोर्ट फॉर स्कूल के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर व तहसील कोऑर्डिनेटरों की एक आवश्यक बैठक सुशील चैधरी सदस्य एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रभारी सपोर्ट फॉर स्कूल उत्तर प्रदेश सरकार की अध्यक्षता में उनके निवास स्थान दयाल कॉलोनी में संपन्न हुई बैठक में कल(आज) अगस्त को मुजफ्फरनगर ट्रायल आयोजित करने पर विचार विमर्श किया गया।11 अगस्त के बाद शामली जनपद में ट्रायल ट्रायल को करने पर देवी विचार विमर्श किया गया 11 तारीख को जनपद मुजफ्फरनगर का ट्रायल एस द टेक्निकल इंस्टिट्यूट जानसठ रोड मुजफ्फरनगर में संपन्न होगा जिसका उद्घाटन कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार करेंगे तथा अध्यक्षता मुजफ्फरनगर के मेयर करेंगे। जनपद सहारनपुर में सभी ब्लॉक के कोऑर्डिनेटर अपने-अपने क्षेत्र के इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य से संपर्क करके प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए एक प्रत्येक ब्लॉक में पीपी मॉडल स्टेडियम स्थापित करके उसमें प्रतिभाशाली छात्रों को नियमित रूप से अभ्यास कराया जाएगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि डीपी पर मैनेजिंग सिस्टम के अधिकारियों से प्रमुख सचिव दीपक कुमार को सभी स्थिति से अवगत कराकर बच्चों के भविष्य के लिए सुविधा उपलब्ध कराने का निवेदन करेंगे। सभी जनपदों मुजफ्फरनगर एवं शामली में ट्रायल को पूरी तरह से महत्व देकर प्रतिभाशाली छात्रों का चयन करने का प्रयास किया जाएगा। बैठक में सहारनपुर तहसील कोऑर्डिनेटर मोहसिन देवबंद तहसील के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर राजीव कुमार ब्लॉक कोऑर्डिनेटर देवबंद सुभाष मलिकखे बलिया खेड़ी कोऑर्डिनेटर तालिब बेहद तहसील कोऑर्डिनेटर मेहर चंद नौटियाल मुजफ्फराबाद कोऑर्डिनेटर रजनीश कुमार सदोली, धनीराम सैनी नागल ब्लॉक के कोऑर्डिनेटर ब्रह्मपाल सिंह पनियाली आदि पदाधिकारी बैठक में उपस्थित रहे।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

भारत संवाद

सहारनपुर। सहारनपुर क्लब व रोटरी क्लब द्वारा संयुक्त रूप से ग्राफिक एरा हॉस्पिटल देहरादून के अनुभवी डाक्टरो के द्वारा क्लब सदस्यों एवं शहर के सभी नागरिकों के लिये एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन सहारनपुर क्लब के प्रांगण में किया गया। जिसका उदघाटन सुमित राजेश महाजन मुख्य विकास अधिकारी के द्वारा किया गया।

इस अवसर पर ग्राफिक एरा द्वारा सहारनपुर क्लब एवं रोटरी क्लब के सदस्यों के लिये प्रीविलिज कार्ड बनाये गये जिनसे भविष्य में यदि कोई सदस्य ग्राफिक एरा अस्पताल में जाता है तो उसे कम पैसो मे उचित इलाज मिलेगा।

सहारनपुर क्लब के सचिव हेमन्त जोशी ने बताया कि क्लब में पहले भी मैडिकल कैम्प लगते रहे हैं और सदस्यों के लिये अच्छी सुविधाओं के साथ पूरा मैडिकल चैकअप बिना किसी पैसे के होता रहा है। हमारा प्रयास है कि क्लब सदस्यों की सेहत की बेहतरी के लिये हम आगे भी अनवरत कार्य करते रहेंगे।

संयुक्त सचिव जोधबीर सिंह (बन्नी) ने कहा कि पहले की तरह हम प्रयास करते हैं कि हमारे सदस्यों को सबसे अच्छी मैडिकल फी चैकअप सुविधा एवं पैथोलॉजी जाँच बहुत ही कम कीमत पर उपलब्ध हो साथ में समाज के कमजोर वर्गों को भी इन कैम्पों का फायदा मिले। कार्यकारिणी सदस्य माई दयाल सिंह मित्तल एवं अमित जोली का इस अवसर पर पूर्ण सहयोग रहा।

इस अवसर पर पूर्व सचिव मुकेश गोयल, अवनीत नागपाल, परविन्दर सिंह, सिकन्दर बीर सिंह, विजय मोदी, मनप्रीत बत्रा, गुलशन कटियाल, बलवंत रॉय, संजय चावला, रोहित ढींगरा, प्रदीप लूथरा, सतीश ठकराल, सुशील डिसूजा, ठा. एस.पी. सिंह, डॉ. एस.पी. सैनी, स0 राजपाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

वीरांगना फूलन देवी की जयंती पर समाजवादी पार्टी ने किया भावपूर्ण स्मरण

महिला सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय और समानता के संकल्प पर आयोजित की गोष्ठी

भारत संवाद

सहारनपुर।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निदेर्शानुसार आज वीरांगना श्रीमती फूलन देवी, पूर्व सांसद की जयंती पर भावपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर पार्टी कार्यकताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके जीवन संघर्ष को याद किया।अम्बाला रोड स्थित समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष चैधरी अब्दुल वाहिद सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत वीरांगना फूलन देवी के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि से हुई। इसके पश्चात आयोजित गोष्ठी में वक्ताओं ने उनके जीवन, संघर्ष और समाज के वंचित एवं उत्पीड़ित वर्गों के लिए किए गए कार्यों पर विस्तार से चर्चा की।पूर्व मंत्री प्रदेश सचिव मांगेराम कश्यप एवं प्रदेश आमंत्रित सदस्य रतन यादव ने एक स्वर में कहा कि फूलन देवी के संघर्ष को भुलाया नहीं जा सकता। वह केवल एक नाम नहीं, बल्कि साहस, स्वाभिमान और अधिकारों की प्रतीक हैं। उनकी जयंती पर पार्टी ने यह संकल्प लिया कि समाज के हर कमजोर वर्ग की आवाज को बुलंद किया जाएगा और महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य किया जाएगा।

अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसो. का महासम्मेलन आयोजित

भारत संवाद

सहारनपुर। अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन सहारनपुर के जिला सम्मलेन मे 6 बिन्दुओ पर विचार विमर्श कर सरकार के समक्ष रखने की बात रखी गयी। जिला सम्मेलन पर पहुंचने पर अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन के वरिष्ठ पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन सहारनपुर के जिलाध्यक्ष संदीप आर्य ने बताया की जिला महासम्मेलन का आयोजन नुमाइश कैंप स्थित नवयुग पार्क में किया गया। सम्मेलन में अतिथि के रूप में पहुंचे अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शशिभूषण सिंह समेत अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों का भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने बताया की सम्मलेन मे मुख्य रूप से 6 बिंदुओं पर विचार विमर्श किया गया।

सहज हृदय व सादगी की प्रतिमूर्ति हैं पूर्व विधायक सुरेन्द्र कपिल: मुकेश शर्मा एडवोकेट

सादगी से मनाया पूर्व विधायक सुरेंद्र कपिल का जन्मदिन

भारत संवाद

सहारनपुर। सहज हृदय व सादगी के प्रतीक कांग्रेस के पूर्व विधायक सुरेन्द्र कपिल का जन्मदिन आज पूर्ण सादगी के साथ प्रबुद्ध समाज के लोगों ने उनके आवास पर पहुंचकर पटका पहनाकर मनाया। इस अवसर पर श्री कपिल की दीघार्यु की कामना की गयी। वरिष्ठ समाजसेवी एवं एडवोकेट मुकेश शर्मा ने कहा कि सुरेन्द्र कपिल सादगी की प्रतिमूर्ति हैं। श्री कपिल कांग्रेस से विधायक बने थे और आज तक कांग्रेस के प्रति ही समर्पित हैं। उनकी सादगी व सहजता का हर वर्ग सम्मान करता है। उन्हें हर वर्ग से सम्मान मिलता है। रामनरेश शर्मा ने बताया सुरेंद्र कपिल सरल स्वभाव के समाजसेवी प्रवृत्ति के धनी महानुभाव हैं ,सभी ने कपिल जी का अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया ।शुभकामनाएं देने वालों में वरिष्ठ शिक्षक रामनरेश शर्मा , रविंद्र कुमार शर्मा गुरू ,एडवोकेट मुकेश कुमार शर्मा और मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार प्राप्त शिक्षक बृजेश शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

प्रभु श्री राम के रथ के सारथी बने डॉ. पंकज खन्ना

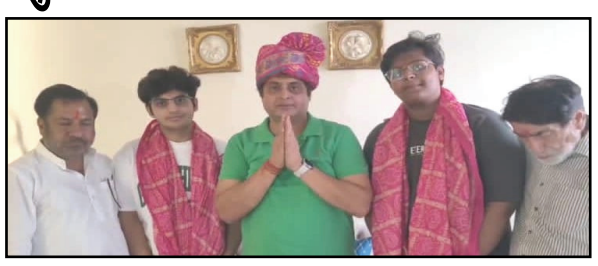

भारत संवाद

सहारनपुर।प्रतिष्ठित श्री कृष्णा राम नाटक क्लब, जुबली पार्क ने इस वर्ष की रामलीला में प्रभु श्री राम के रथ के सारथी की भूमिका के लिए प्रख्यात दंत चिकित्सक एवं भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. पंकज खन्ना को चुना है।क्लब के अध्यक्ष महेंद्र तनेजा ने यह घोषणा करते हुए बताया कि डॉ. खन्ना का समाज सेवा, धार्मिक आयोजनों में सक्रिय सहयोग और संस्कृति के प्रति समर्पण देखते हुए उन्हें यह सम्मान दिया गया है।घोषणा के बाद महेंद्र तनेजा के नेतृत्व में क्लब के प्रतिनिधि मंडल में पाली कालड़ा, विवेक दुआ और रम्मी धवन ने डॉ. पंकज खन्ना से मुलाकात कर उन्हें विधिवत निमंत्रण पत्र सौंपा।निमंत्रण स्वीकार करते हुए डॉ. पंकज खन्ना ने कहा कि प्रभु श्री राम की सेवा और उनके रथ का सारथी बनना उनके जीवन का सौभाग्य है।

अवैध चरस सहित शातिर नशा तस्कर गिरफ्तार

भारत संवाद

सहारनपुर। थाना कुतुबशेर, सहारनपुर पुलिस द्वारा मदाक पदार्थ की तस्करी करने वाला एक शातिर नशा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 400 ग्राम चरस नाजायज बरामद की है।

एसएसपी द्वारा जनपद में मादक पदार्थो की तस्करी, बिक्री की रोकथाम व नशे के कारोबार मे लिप्त अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु लगातार अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अनुपालन में पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी नगर प्रथम के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक एचएन सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना कुतुबशेर पुलिस द्वारा 9 अगस्त को चैकिंग के दौरान एक शातिर नशा तस्कर अभियुक्त नौशाद पुत्र जमशेद निवासी उमैर गार्डन बडी नहर के पास थाना कुतुबशेर जनपद सहारनपुर को रैच के पुल के पास नाला पटरी गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त नौशाद उपरोक्त के कब्जे से 400 ग्राम अवैध चरस बरामद हुई।

अलीगढ़ में लोगों ने किया प्रदर्शन

कूड़ा उठने में देरी और गंदगी पर जताया विरोध

भारत संवाद

अलीगढ़, मथुरा रोड पर लोगों का जीना दुश्वार हो गया है। रविवार को भारी संख्या में क्षेत्रीय लोग सड़क पर आ गए जाम लगा दिया। नगर निगम और मेयर के खिलाफ लोगों ने नारेबाजी की। नगर आयुक्त होश में आओ, नगर निगम हाय हाय के नारे लगाए। आरोप है कि एटू जेड प्लांट से उठने वाली बदबू से सांस लेने में लोगों को परेशानी हो रही है। इसकी कई बार अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन कोई सुनाई नहीं हुई। हंगामा और रोड जाम की सूचना पर सीओ, सहायक नगर आयुक्त पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए । बता दें कि सासनीगेट थाना इलाके के मथुरा रोड़ पर एटू जेड का प्लांट है। इसमें शहर भर से आने वाला कूड़ा एकत्र किया जाता है। प्रतिदिन लगभग 550 मीट्रिक टन कूड़ा शहर से उठता है। जबकि प्लांट में 100 से 150 मीट्रिक टन कूड़ा का निस्तारण होता है। बाकी कूड़ा इसी प्लांट में डंप किया जाता है। जिसके चलते यहां कूड़े का पहाड़ बन गया है।

शादी का दबाव बनाने पर प्रेमिका का कत्ल किया

मथुरा में प्रेमी ने रस्सी से गला घोटा, नहर में शव फेंका; दोस्त ने साथ दिया

भारत संवाद

मथुरा, एक महिला की शादी की जिद उसके लिए घातक साबित हुई। प्रेमी ने अपने दोस्त के साथ मिलकर महिला की हत्या कर दी और शव को नहर किनारे फेंक दिया। पुलिस ने वारदात का खुलासा करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। राया थाना क्षेत्र में 7 अगस्त को मांट ब्रांच गंग नहर नगला विजय के पास एक अज्ञात महिला का शव मिला था। शव पर चोट के निशान थे। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम कराकर पहचान के प्रयास शुरू किए। शनिवार को मृतका की पहचान बरखा पत्नी वेद प्रकाश निवासी हाईवे मथुरा के रूप में हुई।

3 युवक असलहा सहित गिरफ्तार

फर्जी नंबर प्लेट वाली कार, तमंचा, कारतूस और चाकू बरामद

भारत संवाद

अमेठी जिला, थाना बाजार शुकुल पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से फर्जी नंबर प्लेट वाली कार, देशी तमंचा, कारतूस, चाकू और लोहे की रॉड बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शैलेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ राजा (25), फईम (25) और अमन शर्मा (19) के रूप में हुई है। शैलेन्द्र मोहनगंज थाना क्षेत्र के पूरे रामसिंह मजरे मिर्जागढ़ का रहने वाला है। फईम जगदीशपुर थाना क्षेत्र के खैरातपुर का निवासी है। अमन शर्मा मोहनगंज थाना क्षेत्र के मिर्जीगढ़ का रहने वाला है। पुलिस ने इन्हें रानीगंज रोड पर जगदीशपुर महोना मोड़ के पास पुलिया के निकट ग्राम पूरे रग्धूशुक्ल मजरे मयैया रहमतगढ़ से गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से एक फर्जी नंबर प्लेट वाली कार, एक देशी तमंचा 315 बोर, दो जिंदा कारतूस 315 बोर, एक चाकू और तीन लोहे की रॉड बरामद हुई।

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

मानसून में रेनकोट की ऐसे करें सफाई

बारिश के मौसम में रेनकोट बड़े काम की चीज होती है। खासकर जब ऑफिस जाना हो या जब बच्चे स्कूल जाते हैं और तेज बारिश होने लगे तो रेनकोट का महत्व बढ़ जाता है। लेकिन बारिश के मौसम में रेनकोट का इस्तेमाल करने के बाद उसका सही से ध्यान नहीं रख जाता है तो रेनकोट ख़राब भी हो जाता है या रेनकोट के ऊपर फफूंदी के दाग भी लग जाते हैं। ऐसे में हम आपको कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं जिन्हें फॉलो करके आप रेनकोट को हमेशा नया बनाकर रख सकते हैं।

ऐसे करें सफाई

रेनकोट की सफाई करना काफी आसान है, लेकिन ध्यान से साफ नहीं किया गया तो रेनकोट ख़राब भी हो सकता है। इसलिए उसकी सफाई कर आपको ध्यान देने की ज़रूरत है। रेनकोट को साफ करने के लिए आपको माइल्ड डिटर्जेंट का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके लिए एक लीटर पानी में माइल्ड डिटर्जेंट को डालकर अच्छे से मिक्स कर लें और रेनकोट को डालकर कुछ देर छोड़ दें। कुछ देर बाद सॉफ्ट हाथों से साफ कर लें और हवा के नीचे के रख दें।

ऐसे निकाले दाग

अगर रेनकोट पर मिट्टी या फिर फिर किसी अन्य चीज का दाग लग गया है तो आप उसे आसानी से साफ कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक बार नॉर्मल पानी से साफ कर लें। अब दाग वाली जगह पर नींबू के रस को डालकर कुछ देर के लिए छोड़ दें। कुछ देर बाद सॉफ्ट क्लीनिंग ब्रश से दाग को साफ कर लें। साफ करने के बाद हवा के नीचे रख दें।

तेज धूप में न रखें

जी हां, अगर इस्तेमाल करने के बाद रेनकोट को तेज धूप में रखते हैं तो रेनकोट कभी भी ख़राब हो सकता है। इसलिए रेनकोट का इस्तेमाल करने के बाद तेज धूप में नहीं बल्कि फंखा के नीचे रख दें। जब रेनकोट से पानी पूरी तरीके से निकल जाए तो फिर आप उसे फोल्ड करके रख सकते हैं।

पैक करके रखने से पहले रखें ये ध्यान

ऐसा नहीं कि इस्तेमाल किया और सीधा फोल्ड करके रेनकोट को अंदर रख दिया। इससे रेनकोट कभी भी ख़राब हो सकता है। ऐसे में एक से दो-दिन सूखने के बाद ही रेनकोट को पैक करके अंदर रखें। रेनकोट पैक करने वक्त आप एक पेपर में नेप्थलीन की गोली लपेट लीजिए और अंदर रख दें। इससे रेनकोट फ्रेश रहेगा।

मानसून के मौसम में घर के अंदर होती है घुटन

तो अपनाएं ये कमाल के वेंटिलेशन डिजाइन

मानसून का मौसम खुशियों और त्योहारों का मौसम होता है, लेकिन साथ ही यह घर में घुटन और उमस का भी मौसम होता है। बंद खिड़कियां और दरवाजे, बारिश का पानी, और हवा में नमी घर के अंदर एक भारीपन सा माहौल पैदा कर सकती है। लेकिन अब आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है। कुछ आसान वेंटिलेशन डिजाइन अपनाकर आप अपने घर को हवादार और खुशनुमा बना सकते हैं।

वेंटिलेशन डिजाइन क्या है

वेंटिलेशन डिजाइन, घरों में ताजी हवा के प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए की जाने वाली प्रक्रिया है। इसमें कमरे से प्रदूषित हवा को बाहर निकालकर बाहर से ताजी हवा दी जाती है।

वेंटिलेशन डिजाइन के कई फायदे हैं

- ठंड के मौसम में हवा की गुणवत्ता बनाए रखना
- गर्म मौसम में तापमान को कंट्रोल करना
- नमी, धुआं, खाना पकाने की गंध, और इनडोर प्रदूषकों से छुटकारा पाना
- अटारी में गर्मी के स्तर को कंट्रोल करना
- क्रॉलस्पेस और बेसमेंट में नमी को कंट्रोल करना
- दीवारों से नमी को दूर रखना
- पानी के इस्तेमाल के कारण नमी के प्रभाव को कंट्रोल करना
- कंप्यूटिंग गैजेट से केमिकल के उत्सर्जन को कंट्रोल करना
- खाना पकाने के कारण दहन को कंट्रोल करना
- घर में गंध को कंट्रोल करना
- घर के अंदर अलग से कार्बन डाइऑक्साइड को कंट्रोल करना

घर में वेंटिलेशन के कई तरह के हो सकते हैं

नेचुरल वेंटिलेशन

खिड़कियों और दरवाजों के जरिए हवा का आना-जाना। यह वेंटिलेशन का सबसे बेहतर तरीका है। इसलिए, जब भी संभव हो, खिड़कियां और दरवाजे खोलकर ताजी हवा को घर के अंदर आने दें। विपरीत दिशाओं में खिड़कियां और दरवाजे खोलकर हवा को घर से गुजरने का रास्ता दें। छत या दीवारों में रोशनदान सेट करें ताकि ऊपर की गर्म हवा बाहर निकल सके। बाथरूम और रसोई में एयर वेंट लगाएं, जहां नमी और गंध जमा होने की संभावना होती है। घर के अंदर कुछ छोटे पौधे लगाएं जो हवा को शुद्ध करने में मदद करते हैं।

मेकैनिकल वेंटिलेशन

इसमें बाहरी पंखे, अटारी पंखे और पूरे घर के पंखे शामिल हैं। नए और मौजूदा दोनों तरह के ऊर्जा-कुशल घरों में इनडोर एयर क्वालिटी बनाए रखने के लिए यांत्रिक वेंटिलेशन की जरूरत होती है। छत के पंखे और टेबल फैन का इस्तेमाल करके हवा को घुमाएं। इसमें हीट रिकवरी वेंटिलेशन या एनर्जी रिकवरी वेंटिलेशन शामिल हैं। वेंटिलेशन एक अहम प्रक्रिया है, क्योंकि यह बासी हवा को ताजी हवा से बदल देता है। खराब वेंटिलेशन की वजह से कार्बन जमा हो सकता है और इससे इमारत में बैक्टीरिया भी बढ़ सकते हैं। इसलिए, वेंटिलेशन सिस्टम चुनते समय आपके घर के लेआउट और जरूरतों को ध्यान में रखना जरूरी है। आप इन तरीकों से अपने घर में वेंटिलेशन बढ़ा सकते हैं

- मौजूदा वेंटिलेशन सिस्टम का सही इस्तेमाल करें
- खिड़कियां या जालीदार दरवाजे खोलें
- रसोई में वेंटिलेशन पंखा लगाएं

वेंटिलेशन एक अहम प्रक्रिया है, क्योंकि यह बासी हवा को ताजी हवा से बदल देता है। खराब वेंटिलेशन की वजह से कार्बन जमा हो सकता है और इससे घर में बैक्टीरिया भी बढ़ सकते हैं।

अपने घर में वेंटिलेशन कैसे बढ़ाएं

घर और खुले स्थानों की ओर हवा लाने के लिए पेड़ लगाएं। पेड़ों को एक-दूसरे के बहुत पास न लगाएं, क्योंकि पत्ते हवा को अंदर नहीं आने देते। तेज हवाओं के दौरान नुकसान से बचने के लिए पेड़ों और घर के बीच दूरी बनाएं। पेड़ से घर की दूरी पेड़ की ऊंचाई से ज्यादा होनी चाहिए। अगर आपके घर में विंडो एयर कंडीशनर है, तो उसे चलाएं जिसमें बाहरी हवा का प्रवेश या वेंट हो। वेंट खुला रहने दें। अगर आपके HVAC सिस्टम में बाहरी हवा का प्रवेश है, तो उसे खोलें। अगर आपने छत का पंखा नहीं लगवाया है, तो खुली खिड़की के पास जितना हो सके, एक स्टैंडअलोन पंखा लगाएं ताकि हवा बाहर की ओर जाए। अच्छे वेंटिलेशन से घर में ताजी हवा आती है, हवा फ़िल्टर होती है, और हवा का प्रवाह बेहतर होता है। इससे वायरस के कण कम होते हैं और बीमारियां फैलने से रोका जा सकता है। साथ ही, हवादार घर में धूल के कणों को कंट्रोल रखा जा सकता है।

सावन के मौके पर घर के आंगन से लेकर मंदिर तक में बनाएं जा सकते हैं भगवान शिव से जुड़ी रंगोली के ये डिजाइंस

घर को सजाना हम सभी पसंद करते हैं। वहीं तीज-त्योहार के मौके पर हम घर में साफ-सफाई से लेकर पूजा पाठ तक करते हुए कई चीजों का खासतौर से ध्यान रखते हैं।

सावन का महीना शुरू हो चुका है। हर सोमवार को पत्नियां अपने पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती हैं और भगवान शिव की पूजा करती हैं। इस दिन पाठ-पूजा भी की जाती है। इस मौके पर आप घर के मंदिर में भगवान शिव से जुड़ी कई तरह की रंगोली बनाई जा सकती हैं। सावन के खास मौके पर मंदिर में बनाने के लिए रंगोली के कुछ आसान और खास डिजाइंस।

ओम रंगोली डिजाइन

भगवान शिव का चित्र बनाना आपके लिए थोड़ा मुश्किल हो सकता है। इसके लिए आप घर के मंदिरके बाहर बड़े साइज की थाली या पूजा घर में ओम नाम: शिवाय लिख सकती हैं या केवल ओम भी रंगों या फूलों से लिख सकती हैं। रंगोली को भरा-भरा बनाने के लिए आप पहले बैकग्राउंड के लिए गोलाई में फ्रेम को तैयार करें।

शिवलिंग रंगोली डिजाइन

घर के मंदिर में भगवान शिव की प्रतिमा के सामने आप रंगों की मदद से शिवलिंग रंगोली के माध्यम से बना सकती हैं। इसके लिए आप काले रंग के अलावा अन्य कई रंग इस्तेमाल कर सकती हैं। शिवलिंग के साथ में आप बेलपत्र और फूल डिजाइन की रंगोली भी बना सकती हैं। बेलपत्र और फूलों के डिजाइन को 3डी बनाने के लिए माचिस की तीली की मदद लें।

त्रिशूल रंगोली डिजाइन

ओम के अलावा आप त्रिशूल के डिजाइन को डमरू के साथ में बना सकती हैं। इसके लिए आप भूरे रंग के साथ नारंगी रंग को चुनकर डिजाइन को पूरा करें। आस-पास चाहे तो बॉर्डर के लिए बेलपत्र रंगोली डिजाइन को बना सकती हैं। त्रिशूल और डमरू के आकार को डेप्थ देने के लिए आप सफेद रंग से आउटलाइन कर सकती हैं।

भगवान शिव रंगोली डिजाइन

अगर आप कला से जुड़ी व्यक्ति हैं और तरह-तरह के चित्र बनाना पसंद करती हैं तो इस तरह से नीले रंग की मदद लेकर भगवान शिव के चेहरे को रंगोली में बना सकती हैं। रंगोली के डिजाइन को पूरा करने के लिए इस तरह के चावल की मदद से बनाया चांद डिजाइन को आकर्षक भी बनाने में मदद करेगा। दीपक जलाकर आप पूजा सकती हैं।

शिवलिंग रंगोली डिजाइन

घर के मंदिर में भगवान शिव की प्रतिमा के सामने आप रंगों की मदद से शिवलिंग रंगोली के माध्यम से बना सकती हैं। इसके लिए आप काले रंग के अलावा अन्य कई रंग इस्तेमाल कर सकती हैं। शिवलिंग के साथ में आप बेलपत्र और फूल डिजाइन की रंगोली भी बना सकती हैं। बेलपत्र और फूलों के डिजाइन को 3डी बनाने के लिए माचिस की तीली की मदद लें।

त्रिशूल रंगोली डिजाइन

ओम के अलावा आप त्रिशूल के डिजाइन को डमरू के साथ में बना सकती हैं। इसके लिए आप भूरे रंग के साथ नारंगी रंग को चुनकर डिजाइन को पूरा करें। आस-पास चाहे तो बॉर्डर के लिए बेलपत्र रंगोली डिजाइन को बना सकती हैं। त्रिशूल और डमरू के आकार को डेप्थ देने के लिए आप सफेद रंग से आउटलाइन कर सकती हैं।

भगवान शिव रंगोली डिजाइन

अगर आप कला से जुड़ी हैं और तरह-तरह के चित्र बनाना पसंद करती हैं तो इस तरह से नीले रंग की मदद लेकर भगवान शिव के चेहरे को रंगोली में बना सकती हैं। रंगोली के डिजाइन को पूरा करने के लिए इस तरह के चावल की मदद से बनाया चांद डिजाइन को आकर्षक भी बनाने में मदद करेगा। दीपक जलाकर आप पूजा सकती हैं।

मोनोक्रोम आउटफिट में स्टनिंग दिखने के लिए इन टिप्स की लें मदद

मोनोक्रोम आउटफिट स्टाइलिंग पिछले काफी समय से चलन में है। जिन महिलाओं के लिए कलर ब्लॉकिंग या कलर व्हील को ध्यान में रखकर सही कलर चुनने में परेशानी होती है, उनके लिए मोनोक्रोम आउटफिट स्टाइल करना अच्छा ऑप्शन है। चूंकि इसमें आपको डिफरेंअ कलर्स सलेक्ट को लेकर बहुत अधिक परेशान नहीं होना पड़ता है और इसे स्टाइलिंग का सेफ ऑप्शन माना जाता है। लेकिन मोनोक्रोम आउटफिट को स्टाइल करना भी इतना आसान नहीं होता। अगर आप मोनोक्रोम आउटफिट कैरी करना चाहती हैं तो यह जरूरी है कि आप इसे स्टाइल करते समय कुछ बातों का खासतौर पर ध्यान रखें। अगर इसकी स्टाइलिंग के दौरान आपसे गड़बड़ी हो जाती है तो आपका लुक एकदम डल व बोरिंग नजर आता है। मोनोक्रोम आउटफिट की स्टाइलिंग के दौरान आपको कलर्स सलेक्शन से लेकर प्रिंट्स व पैटर्न आदि पर भी उतना ही ध्यान देना होता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको मोनोक्रोम आउटफिट को स्टाइल करने के कुछ बेहतरीन आईडियाज शेयर कर रहे हैं, जिसे जानने के बाद आपको अपने लुक को एन्हॉन्स करना आसान हो जाएगा-

सही हो कलर

मोनोक्रोम आउटफिट में खुद को स्टाइल करते समय जिस बात का सबसे अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए, वह है कलर। आप किसी भी कलर शेड को सलेक्ट करते समय अपनी स्किन टोन व ओकेजन का खास ख्याल रखें। मसलन, अगर आप ऑफिस में मोनोक्रोम आउटफिट को स्टाइल कर रही हैं तो ऐसे में आप व्हाइट व ब्लैक कलर को प्राथमिकता दे सकती हैं। वहीं एक पॉप लुक के लिए आप कुछ ब्राइट कलर्स व नियॉन कलर सलेक्ट करें।

लाइट व डार्क शेड

कई बार ऐसा होता है कि हम मोनोक्रोम लुक तो कैरी करना चाहते हैं, लेकिन एक ही कलर में डिफरेंट शेड्सको सलेक्ट करते हैं। इस तरह डिफरेंट शेड्स आपके लुक को खास बनाते हैं। हालांकि, इस दौरान भी आपको शेड्स को सलेक्शन स्मार्टली करना होता है। मसलन, लाइट टिंट आंख को आकर्षित करेगा और उस बॉडी पार्ट को अधिक हाइलाइट करेगा, जबकि एक डार्क शेड ध्यान भटकाएगा। इस तरह आप सही शेड सलेक्शन करें।

एसेसरीज का लें सहारा

मोनोक्रोमेटिक लुक कुछ लड़कियों को काफी बोरिंग लगता है। अगर आपके साथ भी ऐसा ही है तो आप कुछ एसेसरीज के जरिए अपने लुक को स्पाइस अप कर सकती हैं। मसलन, आप हैट से लेकर सनग्लासेस, कुछ चंकी ज्वैलरीज आदि को अपने आउटफिट के साथ पेयर करें। यह आपके लुक की एकरसता को ब्रेककरेंगे और आपके लुक को अधिक स्टाइलिश बनाएंगे।

यूं एड करें टेक्सचर

अगर आप मोनोक्रोम आउटफिट को स्मार्टली कैरी करती हैं तो इससे आप अपने लुक में टेक्सचर को भी बेहद खूबसूरती के साथ शामिल कर सकती हैं और अपने लुक को खास बना सकती हैं। मसलन, आप एक स्लीक टॉप के साथ वुलन स्कर्ट को पेयर कर सकती हैं या फिर बल्कि निट स्वेटर के साथ स्लिम या शाइनी पैंट्स को स्टाइलकिया जा सकता है और इस तरह आप खुद को स्टाइल कर सकती हैं।

फुटवियर सलेक्ट

मोनोक्रोमेटिक लुक में आपके फुटवियर भी काफी अहम् होते हैं। इसमें भी आप कलर्स का सलेक्शन इस आधार पर करें कि आप किस तरह का लुक कैरी करना चाहती हैं। मसलन, व्हाइट, ब्लू एंड ब्लैक कलर मोनोक्रोमेटिक लुक में आप मैचिंग फुटवियर कैरीकरके एक एलीगेंट लुक पा सकती हैं। वहीं, अगर आप थोड़ा एक्सपेरिमेंटल होना चाहती हैं तो ऐसे में प्रिंटेड या फिर ब्राइट व नियॉन कलर को चुन सकती हैं। यह आपके लुक को एकदम से चेंज कर देगा।

दावा- अमेरिका ने अफगानिस्तान विदेश मंत्री की पाकिस्तान यात्रा रोकी

4 अगस्त को इस्लामाबाद जाना था; तालिबान से जुड़े होने के कारण प्रतिबंध लगे

एजेंसी

पाकिस्तानी मीडिया डॉन ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया की अमेरिका ने अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी की पाकिस्तान यात्रा रद्द कर दी है। अमेरिका की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के यात्रा प्रतिबंधों के कारण यह फैसला लिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका, अफगानिस्तान-पाकिस्तान के बीच बढ़ती नजदीकियों और तालिबान के चीन से गहरे होते रिश्तों से परेशान है। मुत्ताकी को 4 अगस्त को इस्लामाबाद जाना था, लेकिन अमेरिका ने वठ की विशेष अनुमति को रोक दिया, जिसके बिना मुत्ताकी विदेश यात्रा नहीं कर सकते। मुत्ताकी पर तालिबान से जुड़े होने के कारण अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध हैं, जिसके चलते उन्हें विदेश यात्रा के लिए वठ की मंजूरी चाहिए होती है। वहीं, पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने कहा कि- कुछ समस्याओं के कारण यह यात्रा नहीं हुई, इसलिए इसे रद्द कहना ठीक नहीं है। उनका यह दौरा

इस्लामाबाद और काबुल के बीच संबंधों को बेहतर करने के लिए था। मुत्ताकी से पहले पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार काबुल गए थे। यूएनएससी की प्रतिबंध समिति 1988 में बनी थी। इसमें 5 स्थायी सदस्य (चीन, फ्रांस, रूस, यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका) और 10 अस्थायी सदस्य शामिल हैं। ये तालिबान से जुड़े लोगों पर यात्रा प्रतिबंध, संपत्ति जब्ती और हथियारों पर रोक जैसे कदमों को लागू करती है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने इस मंजूरी को देने में देरी की और आखिरी समय में इसे पूरी तरह रोक दिया। इससे मुत्ताकी की पाकिस्तान यात्रा रद्द हो गई। दूसरी तरफ, चीन और रूस इस कमेटी में तालिबान पर लगे प्रतिबंधों में ढील देने की वकालत करते हैं, जिससे कमेटी में अक्सर तनाव देखा जाता है। माना जा रहा है कि अमेरिका ने इस यात्रा को रोककर अपनी चिंताओं को जाहिर किया। हालांकि, जब अमेरिकी विदेश मंत्रालय से इस बारे में सवाल किया गया, तो उनके प्रवक्ता ने कहा- हम अफवाहों पर कोई टिप्पणी नहीं करते। इस जवाब से यह साफ नहीं हुआ कि अमेरिका ने जानबूझकर मंजूरी रोकी है या नहीं। वहीं, पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने शुक्रवार को कहा था- कुछ समस्याओं के कारण यह यात्रा नहीं हो सकी। हम इन मुद्दों को सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने यह भी साफ किया कि मुत्ताकी की यात्रा की कोई आधिकारिक तारीख तय नहीं हुई थी, इसलिए इसे रद्द या स्थगित कहना ठीक नहीं है। खान ने उम्मीद जताई कि जल्द ही इन समस्याओं का समाधान हो जाएगा और अफगान विदेश मंत्री का पाकिस्तान में स्वागत किया जाएगा। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हाल के महीनों में रिश्तों में सुधार देखा गया है। 19 अप्रैल 2025 में पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार की काबुल यात्रा के बाद दोनों देशों ने उच्च-स्तरीय बातचीत शुरू की थी मुत्ताकी की यह यात्रा उसी दिशा में एक और कदम थी। तालिबान के अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद भारत और तालिबान सरकार के बीच बातचीत की शुरूआत जनवरी में हुई थी। 8 जनवरी को विक्रम मिसरी और मुत्ताकी के बीच दुबई में बैठक हुई थी।

तब अफगान विदेश मंत्री ने अफगानिस्तान के लोगों से जुड़ने और उनका समर्थन करने के लिए भारतीय नेतृत्व की सराहना की थी। इसके बाद विदेश मंत्रालय के जॉइंट सेक्रेटरी आनंद प्रकाश ने 28 अप्रैल को मुत्ताकी से मुलाकात की थी।

ईरान बिना जांच किए अफगान शरणार्थियों को निकाल रहा

बच्चों को परिवार से अलग किया, यातना देने के आरोप; 100 दिन में 10 लाख लोग निकाले

एजेंसी

तेहरान, ईरान अफगान शरणार्थियों को उनके कानूनी दर्जे की जांच किए बिना देश से निकाल रहा है। यह आरोप ईरान के सोशल वर्कर्स ने स्थानीय प्रशासन पर लगाया है। इससे कई मामलों में गलत पहचान, परिवार बिछड़ने और डिपोर्टेशन के दौरान दुर्व्यवहार की घटनाएं सामने आई हैं। तेहरान के गवर्नर मोहम्मद सादिक मोतमेदीयान ने बताया कि पिछले 100 दिनों में 10 लाख से ज्यादा अफगानों को निकाला गया है। इनमें से 4 लाख सिर्फ तेहरान प्रांत से हैं। ईरान ने मार्च 2025 में ऐलान किया था कि अवैध रूप से रह रहे अफगान प्रवासी 6

जुलाई तक देश छोड़ दें, नहीं तो उन्हें जबरन निकला जाएगा। ईरानी अधिकारियों ने दावा किया कि अफगानी इजराइल और अमेरिका के लिए जासूसी, आतंकी हमले और ड्रोन बनाने में शामिल हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स को लोगों ने बताया कि उनके पास न तो पर्याप्त सामान है और न ही भविष्य की कोई उम्मीद। 42 साल तक ईरान में मजदूरी करने वाले मोहम्मद अखुंदजादा ने कहा, ‘मैंने 42 साल तक ईरान में मेहनत की, मेरे घुटने टूट गए और अब मुझे क्या मिला? ईरान से निर्वासित हुए एक अफगान शरणार्थी बशीर ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि अधिकारियों ने उससे 17 हजार रुपए मांगे। फिर दो दिन डिटेंशन सेंटर में रखा। इस दौरान न खाना दिया गया और न ही पानी। बशीर के मुताबिक अधिकारी उसे गालियां देते थे। एक दूसरे युवक ने बताया कि उसके पिता को जासूसी के आरोप में पकड़कर कैद कर दिया गया। उन्हें खाना-पानी नहीं दिया गया और बाद में डिटेन करके अफगानिस्तान भेज दिया। द गार्जियन से बात करते हुए एक अफगान महिला ने बताया कि, ईरानी अधिकारी रात में आए। उन्होंने बच्चों के कपड़े तक नहीं लेने दिए। हमें कूड़े की तरह फेंक दिया। रास्ते में बैंक कार्ड से पैसे निकाल लिए। पानी की बोतल के 80 रुपए और सैंडविच के 170 रूपए वसूले। इजराइल के साथ युद्ध के बाद ईरान में अफगानों के खिलाफ नस्लीय हमले बढ़ गए हैं। कई अफगानों ने बताया कि उन्हें गालियां दी गईं, चाकू से हमले हुए और उनकी मजदूरी तक छीन ली गई। बैंकों, स्कूलों, अस्पतालों और दुकानों ने भी अफगानों को सेवा देने से मना कर दिया है। एब्राहिम कादेरी ने मीडिया को बताया कि वो तेहरान में एक कार्डबोर्ड फैक्ट्री में काम करते थे, वहां कुछ लोगों ने उन्हें गंदा अफगान कहकर पीटा और चाकू से घायल कर दिया।

रूस के लिए जंग लड़ने वाले अमेरिकी सैनिक को मेडल

पिछले साल यूक्रेन में मारा गया; मां अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए की डिप्टी डायरेक्टर

एजेंसी

मॉस्को/ वॉशिंगन, यूक्रेन के खिलाफ जंग में रूस के लिए लड़ने वाले अमेरिकी सैनिक को राष्ट्रपति पुतिन ने मरणोपरांत ऑर्डर ऑफ लेनिन मेडल से सम्मानित किया है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी युवक का नाम माइकल ग्लॉस (21) था। वह पिछले साल यूक्रेन में रूस की तरफ से लड़ते हुए मारा गया था। माइकल अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए की सीनियर अधिकारी जूलियन गलीना का बेटा था। गलीना सीआईए में डिजिटल इनोवेशन की डिप्टी डायरेक्टर हैं। माइकल 2023 की सर्दियों में रूस की सेना में भर्ती हुआ था। माइकल ने मॉस्को के रेड स्क्वायर से सेल्फी पोस्ट की थी और सोशल मीडिया पर यूक्रेन युद्ध को प्रॉक्सी वॉर बताते हुए पश्चिमी मीडिया को प्रोपगेंडा कहा था। रूसी मीडिया ने अप्रैल 2024 में उसकी मौत की खबर दी। सीआईए ने बयान कर जारी बताया कि माइकल मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहा था। एजेंसी ने उसकी मौत राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा नहीं माना है। माइकल के पिता लैरी ग्लॉस अमेरिका के लिए इराक वॉर में शामिल हुए थे। क्रेमलिन ने ऑर्डर ऑफ लेनिन मेडल देने की बात आधिकारिक तौर पर स्वीकार नहीं की है। यह सोवियत दौर का एक बड़ा नागरिक सम्मान है। अभी यह साफ नहीं है कि मेडल आखिर कहां गया। व्हाइट हाउस, सीआईए और विटकॉफ ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की। सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी सीआईए की डिप्टी डायरेक्टर जूलियान जे. गालिना डिजिटल इनोवेशन की चीफ हैं। उन्हें इस पद पर जनवरी 2024 में नियुक्त गया है।

गालिना ने अपने करियर की शुरूआत यूएस नेवल एकेडमी से की थी। यहां 1992 में वे ब्रिगेड ऑफ मिडशिपमेन की पहली महिला लीडर बनीं। 1846 में एकेडमी की स्थापना के बाद ऐसा पहली बार हुआ था। गालिना को क्रिप्टोलॉजिक ऑफिसर के रूप में कमीशन किया गया और उन्होंने एक्टिव ड्यूटी तथा नेवी रिजर्व में सेवा दी। 2013 में वे कमांडर रैंक के साथ रिटायर हुईं। कनाडा की कार्लेटन यूनिवर्सिटी की 12 जून 2025 को पब्लिश हुई एक रिपोर्ट के मुताबिक, 600 से ज्यादा अमेरिकी नागरिक यूक्रेन में युद्ध लड़ रहे हैं। इनमें रूस और यूक्रेन दोनों की तरफ से लड़ने वाले सैनिक शामिल हैं।

इनमें ज्यादातर पुरुष हैं, जिनकी औसत उम्र 32 साल है। इनमें से 60% से ज्यादा के पास यू.एस. आर्मी, ग्रीन बेरे, या नेवी सील्स की सैन्य ट्रेनिंग का अनुभव हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ये लड़ाके अलग-अलग वजहों से यूक्रेन पहुंचे हैं, जो नशे की लत, कैंसर या अवसाद से जूझ रहे हैं।

जेलेंस्की बोले- यूक्रेन का दूसरी बार बंटवारा नहीं होने देंगे

जंग खत्म करने के बदले जमीन नहीं देंगे; ट्रम्प ने कहा था- अदला-बदली करनी होगी

एजेंसी

कीव, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि रूस को किसी भी हाल में यूक्रेन का दूसरा बंटवारा करने नहीं दिया जाएगा। एक्स पर वीडियो पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा कि रूस के जमीन देकर नहीं, बल्कि न्यायपूर्ण तरीके से जंग खत्म करके ही शांति आ सकती है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 15 अगस्त को अलास्का में मिलने वाले हैं। इसमें जंग खत्म करन

पर बात होनी है। ट्रम्प पहले कह चुके हैं कि जंग खत्म करने के लिए कुछ इलाकों की अदला-बदली करनी होगी। रॉयटर्स के मुताबिक ट्रम्प इसके बाद यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ त्रिपक्षीय बातचीत भी करना चाहते हैं। वे इस बातचीत में पुतिन को भी शामिल करना चाहते हैं। अमेरिका और रूस के राष्ट्रपति के बीच आखिरी मुलाकात जून 2021 में हुई थी। उस वक्त तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और पुतिन ने जिनेवा में मुलाकात की थी। ट्रम्प के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने बुधवार को पुतिन से मुलाकात की थी। ट्रम्प ने इस बैठक को अहम बताया। रूस के राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन के सलाहकार यूरी उशाकोव ने बताया था कि दोनों देशों ने यूक्रेन मुद्दे पर बातचीत की। रिपोर्ट्स के मुताबिक रूस हवाई हमले रोकने के लिए एक अस्थाई प्रस्ताव दे सकता है। यह प्रस्ताव बेलारूस के राष्ट्रपति लुकाशेंको ने पिछले हफ्ते पुतिन से मुलाकात के दौरान रखा था। हालांकि, यह पूर्ण युद्धविराम नहीं होगा, लेकिन इससे दोनों पक्षों के लिए एक राहत हो सकती है। फिलहाल रूस ने मई के बाद से यूक्रेन पर सबसे भारी हवाई हमले किए हैं। इनमें कीव में ही 72 लोगों की मौत हुई है। ट्रम्प ने इन हमलों को घिनौना बताया था। यूक्रेन भी रूसी तेल रिफाइनरियों और डिपो पर हमले जारी रखे हुए है।

रॉबर्ट वाड्रा ने जमीन सौदे से की 58 करोड़ की अवैध कमाई

मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी का बड़ा खुलासा

एजेंसी

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा को बढ़ती कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सूत्रों का आरोप है कि उन्होंने गुरुग्राम में संदिग्ध जमीन लेनदेन के जरिए लगभग 58 करोड़ रुपये अवैध रूप से कमाए। जाँचकताओं के अनुसार, यह मुनाफा उनकी कंपनियों स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड (एसएलएचपीएल) और ब्लू ब्रीज ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड (बीबीटीपीएल) के जरिए भेजा गया और अपनी कंपनियों या अपने नाम पर आलीशान ज़िंदगी और संपत्ति खरीदने पर खर्च किया गया।

मृत सहयोगियों पर दोष मढ़ना

15 और 16 अप्रैल, 2025 को पूछताछ के दौरान, वाड्रा ने कथित तौर पर सीधे जवाब देने से परहेज किया और इसके बजाय तीन मृत सहयोगियों - एचएल पाहवा, राजेश खुराना और महेश नागर पर ज़िम्मेदारी डाल दी, यह दावा करते हुए कि उन्होंने उनकी ओर से काम किया था। जब ईडी ने सबूत मांगे, तो वाड्रा कथित तौर पर कोई भी सहायक दस्तावेज पेश करने में विफल रहे।

15 और 16 अप्रैल, 2025 को पूछताछ के दौरान, वाड्रा ने कथित तौर पर सीधे जवाब देने से परहेज किया और इसके बजाय तीन मृत सहयोगियों - एचएल पाहवा, राजेश खुराना और महेश नागर पर ज़िम्मेदारी डाल दी, यह दावा करते हुए कि उन्होंने उनकी ओर से काम किया था। जब ईडी ने सबूत मांगे, तो वाड्रा कथित तौर पर कोई भी सहायक दस्तावेज पेश करने में विफल रहे।

शिकोहपुर भूमि घोटाले के आरोप

यह मामला गुरुग्राम के शिकोहपुर गाँव में जमीन की खरीद, बिक्री और लाइसेंसिंग में कथित अनियमितताओं से उपजा है। सितंबर 2018 में हरियाणा पुलिस द्वारा दर्ज की गई एक प्राथमिकी में वाड्रा, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, डीएलएफ लिमिटेड और ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ धोखाधड़ी, साजिश और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया था। जाँचकताओं का दावा है कि एसएलएचपीएल ने 3.5 एकड़ जमीन 7.5 करोड़ रुपये में खरीदी जो उसकी वास्तविक कीमत का आधा है और 45 लाख रुपये की स्टाम्प ड्यूटी से बचने के लिए चेक द्वारा भुगतान की झूठी जानकारी दर्ज की, जिसे कभी भुनाया ही नहीं गया। यह जमीन कथित तौर पर तत्कालीन मुख्यमंत्री से व्यावसायिक आवास लाइसेंस हासिल करने के बदले ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज को दी गई थी।

अगला युद्ध जल्द हो सकता है : आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी

हमें उसी के मुताबिक तैयारी करनी होगी, ऑपरेशन सिंदूर पर सरकार ने फ्रीहैंड दिया था

उन्होंने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे एयर डिफेंस सिस्टम ने शानदार काम किया, पाकिस्तान हमारा एयर डिफेंस सिस्टम नहीं भेद पाया। हाल ही में खरीदे गए र-400 सिस्टम गेम-चेंजर रहे हैं। पाकिस्तान लंबी दूरी के ग्लाइड बम होने के बाद भी इनका इस्तेमाल नहीं कर पाया।

एजेंसी

चेन्नई, भारत के थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान से जल्द ही दोबारा युद्ध होने की आशंका जताई है। उन्होंने कहा- अगला युद्ध जल्द हो सकता है। हमें उसी के मुताबिक तैयारी करनी होगी और इस बार हमें यह लड़ाई मिलकर लड़नी होगी। इसके अलावा ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जनरल द्विवेदी ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सरकार ने हमें फ्री हैंड दिया था। ऑपरेशन में हम चेस खेल रहे थे। हमें नहीं पता था दुश्मन की अगली चाल क्या होगी और हम क्या करने वाले हैं। ऐसे ही को भी हमारी चाल का नहीं पता था। जनरल द्विवेदी ने कहा कि इसे ग्रे जोन कहा जाता है। इसका मतलब है कि हम पारंपरिक ऑपरेशन नहीं कर रहे हैं। थल सेनाध्यक्ष ने 4 अगस्त को ककळ मद्रास में 'अग्निशोध'- इंडियन आर्मी रिसर्च सेल के उद्घाटन के दौरान यह बात कही थी। इसका वीडियो आज सामने आया।

25 अप्रैल को प्लानिंग की, 29 अप्रैल को पीएम से मुलाकात हुई

जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा- 25 अप्रैल को हमने उत्तरी कमान का दौरा किया। यहां ऑपरेशन की प्लानिंग की, जिसमें हमने 9 में से 7 आतंकी ठिकानों को नष्ट किया, इसमें कई आतंकी भी मारे गए। उन्होंने कहा कि 29 अप्रैल को पीएम मोदी से मुलाकात की। यह महत्वपूर्ण है कि कैसे एक छोटा सा नाम 'ऑपरेशन सिंदूर' पूरे देश को जोड़ता है। यह एक ऐसी बात है जिसने पूरे देश को प्रेरित किया। यही कारण है कि पूरा देश कह रहा था कि आपने इसे क्यों रोक दिया? यह सवाल पूछा जा रहा था और इसका भरपूर जवाब दिया गया है।

क्या है 'अग्निशोध'

'अग्निशोध'- इंडियन आर्मी रिसर्च सेल डिफेंस टेक्नोलॉजी में बड़ा कदम है। इसका मोटिव सैन्य कर्मियों को एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, साइबर सिक्योरिटी, क्वांटम कंप्यूटिंग, वायरलेस कम्युनिकेशन और अनमैन्ड सिस्टम जैसे एरिया में कुशल बनाना है। जिससे टेक्नोलॉजी की योग्यता रखने वाली फोर्स बनाई जा सके।

सपा प्रमुख ने निर्वाचन आयोग पर भाजपा के प्रभाव में काम करने का आरोप लगाया

सपा प्रमुख ने यह भी याद दिलाया कि पिछले चुनावों में, उनकी पार्टी ने निर्वाचन आयोग पर बिना किसी स्पष्टीकरण के सपा के 18,000 वोटों को हटाने का आरोप लगाया था, जबकि उन मतदाताओं ने पहले भी वोट दिया था।

एजेंसी

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को निर्वाचन आयोग पर उत्तर प्रदेश के पिछले उपचुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रभाव में काम करने का आरोप लगाया। रक्षाबंधन मनाने के लिए परिवार के साथ अपने चाचा के घर पहुंचे यादव ने पत्रकारों से कहा कि निर्वाचन आयोग न्याय करेगा या नहीं, इस बारे में हमेशा चिंता रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुंदरकी, मीरापुर और विशेष रूप से अयोध्या समेत कुछ उपचुनावों में वोट चोरी एक छोटी सी बात थी, भाजपा के निर्देश पर निर्वाचन आयोग ने डकैती और वोटों का अपहरण किया। यादव ने दावा किया कि इन चुनावों के दौरान, प्रशासन ने पहले से तय कर रखा था कि कौन से अधिकारी ड्यूटी पर होंगे, कौन कितने वोट हासिल करेगा, और यहां तक कि लोगों को एक से ज्यादा बार वोट डालने की सुविधा भी दी गई थी। उन्होंने आरोप लगाया, हमारे पास ऐसे वीडियो थे जिनमें लोग छह-छह वोट डाल रहे थे। एक व्यक्ति अपने निर्वाचन क्षेत्र के बाहर वोट करते हुए पकड़ा गया और मंत्री मतदान केंद्रों पर ही रुके हुए थे। सपा प्रमुख ने यह भी याद दिलाया कि पिछले चुनावों में, उनकी पार्टी ने निर्वाचन आयोग पर बिना किसी स्पष्टीकरण के सपा के 18,000 वोटों को हटाने का आरोप लगाया था, जबकि उन मतदाताओं ने पहले भी वोट दिया था।

मसौदा मतदाता सूची में नाम शामिल न करने के कारणों को बताना जरूरी नहीं': ईसीआई ने सुप्रीम कोर्ट को बताया

आयोग ने कहा कि याचिकाकर्ता का यह दावा गलत और निराधार है कि बिना कारण बताए, जिनके नाम ड्राफ्ट सूची से बाहर हैं, वे मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 (ईसीआई) के तहत उचित कार्रवाई नहीं कर पाएंगे. आयोग ने दूसरा तर्क दिया कि फएफ 1960 के नियम 19 के तहत, निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (ईसीआई) को हर दावे और आपत्ति की सुनवाई के लिए नोटिस देना जरूरी है, जो नियम 17 और 18 के अनुसार निपटाए नहीं गए हों.

बिहार की ड्राफ्ट मतदाता सूची से करीब 65 लाख नाम हटाए जाने पर याचिकाकर्ता ने पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाया था.

एजेंसी

नई दिल्लीः चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में कहा है कि बिहार में चल रहे विशेष गहन संशोधन के तहत ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल न किए गए लोगों की अलग से सूची तैयार करना या साझा करना, या फिर उनके नाम न शामिल करने के कारण बताना कानूनी ढांचे में जरूरी नहीं है. आयोग ने यह जवाब बिहार की मतदाता सूची से करीब 65 लाख नाम हटाए जाने पर याचिकाकर्ता ने पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाया था. आयोग ने कहा कि ड्राफ्ट मतदाता सूची में किसी का नाम शामिल करने के लिए कोई जांच नहीं की जाती. जिन लोगों के गणना

फॉर्म मिले हैं, उनका नाम बिना किसी शर्त या अपवाद के ड्राफ्ट सूची में शामिल किया गया है. आयोग ने बताया कि जिन लोगों का नाम 1 अगस्त को प्रकाशित ड्राफ्ट मतदाता सूची में किसी कारण से नहीं है, वे 1 अगस्त से 1 सितंबर 2025 तक दावे और आपत्ति की अवधि में फॉर्म 6 के साथ रकफ आदेश के अनुबंध-ऊ में दी गई घोषणा दाखिल करके अपने नाम को सूची में शामिल करने का दावा कर सकते हैं. आयोग ने कहा कि अगर किसी का नाम गणना फॉर्म न मिलने की वजह से ड्राफ्ट सूची में नहीं है, तो फॉर्म 6 के साथ घोषणा दाखिल करने का मतलब है कि वह व्यक्ति न तो मृत है, न ही स्थायी रूप से कहीं और चला गया है और न ही उसका पता नहीं चल रहा. इसलिए, नाम न शामिल होने के कारणों के साथ सूची देने का कोई व्यावहारिक फायदा नहीं है, क्योंकि सभी तीन मामलों में प्रक्रिया एक ही है-फॉर्म 6 और घोषणा दाखिल करना. आयोग ने यह भी कहा कि ड्राफ्ट मतदाता सूची से नाम बाहर होना, मतदाता सूची से हटाना नहीं है. ड्राफ्ट सूची बस यह दिखाती है कि मौजूदा मतदाताओं के भरे हुए गणना फॉर्म गणना के दौरान प्राप्त हुए हैं. लेकिन, इस बड़े पैमाने की प्रक्रिया में मानवीय गलतियों की वजह से कुछ नाम छूट सकते हैं या गलत शामिल हो सकते है. आयोग ने कहा कि अगर एफड को लगता है कि गलती या चूक की वजह से किसी मतदाता का नाम ड्राफ्ट सूची से छूट गया है